डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26

ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अख़बार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 19 | अंक 78 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | सोमवार 30 दिसम्बर 2024 | मूल्य 2 रुपया

स्कूलों में छुट्टी को लेकर संशय

मंदसौर, 29 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। इस बार स्कूलों में शीतकालीन अवकाश को लेकर संशय की स्थिति बन गई है। कुछ स्कूलों में जहां आधिकारिक तौर पर 5 दिनों की छुट्टी घोषित की गई है, वहीं कुछ अन्य स्कूलों में 9 दिनों की और 10 दिनों की छुट्टी भी घोषित की गई है। स्कूलों में शीतकालीन अवकाश की अलग- अलग अवधि देखकर बच्चे और अभिभावक परेशान हो रहे हैं। स्कूल प्राचार्यों, संचालकों को फोन कर वस्तुस्थिति पता कर रहे हैं। दरअसल अलग अलग कोर्सेस के स्कूलों में अलग-अलग अवधि की छुट्टियां घोषित कर दी गई हैं। जिससे विशेष रूप से पालक भ्रमित हो रहे हैं।

राज्य सरकार के स्कूलों, सीबीएसई कोर्सेस के स्कूलों और आईसीएसई कोर्सेस के स्कूलों में अलग- अलग अवधि के लिए शीतकालीन अवकाश घोषित किया गया है। कहीं 5 दिनों की छुट्टी है तो कहीं 10 दिन का शीत कालीन अवकाश है। बीते वर्ष को विदाई देने व नए साल के स्वागत में जश्न मनाने के लिए स्कूली बच्चों को हर साल दिसंबर के अंतिम दिनों और नए साल के शुरुआती दिनों में खासी छुट्टियां दी जाती हैं। प्रदेश के सभी सरकारी और प्राइवेट स्कूलों में इन्हें शीतकालीन अवकाश कहा जाता है। एमपी में इस बार राज्य सरकार के कोर्स वाले सरकारी और प्राइवेट स्कूलों तथा केंद्र सरकार के सीबीएसई, आईसीएसई कोर्स वाले स्कूलों में अलग-अलग अवकाश अवधि की घोषणा की गई है। प्रदेश के केंद्रीय स्कूलों में 9 और 10 दिन की छुट्टी घोषित की गई है। वहीं राज्य सरकार के स्कूलों में केवल 5 दिन का अवकाश दिया गया है। हालांकि रविवार पडने के कारण राज्य सरकार के स्कूलों में शीतकालीन अवकाश एक दिन और बढकर 5 दिन की बजाए 6 दिनों का हो गया है। अलग-अलग अवधि की छुट्टियों से स्टूडेंट और पेरेंट भ्रमित हो रहे हैं।

कहां- कितने दिनों की छुट्टी...

आईसीएसई से संबद्ध एमपी के केंद्रीय व अन्य विद्यालयों में 10 दिन का शीतकालीन अवकाश घोषित किया गया है। इन स्कूलों में 24 दिसंबर 2024 से 2 जनवरी 2025 तक अवकाश रहेगा। 3 जनवरी 2025 से स्कूल खुलेंगे। सीबीएसई बोर्ड के स्कूलों में 24 दिसंबर से 1 जनवरी 2025 तक का यानि 9 दिनों का शीतकालीन अवकाश रहेगा। 2 जनवरी 2025 को स्कूल खुलेंगे।एमपी गवर्नमेंट के कोर्स के सरकारी और प्राइवेट स्कूलों में 31 दिसंबर से 4 जनवरी 2025 तक का यानि 5 दिनों का शीतकालीन अवकाश घोषित किया गया है। 5 जनवरी को रविवार है इसलिए एमपी के स्थानीय कोर्स वाले सरकारी और प्राइवेट स्कूल 6 जनवरी 2025 को खुलेंगे।

प्रॉपर्टी गाइड लाइन: नहीं होगी साल में दो बार बढ़ोतरी

दो बार लोकेशन डिसाइड की, केंद्रीय मूल्यांकन बोर्ड से भी मिली थी मंजूरी

मंदसौर, 29 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। प्रदेश में प्रॉपर्टी की गाइड लाइन साल में दूसरी बार बढ़ाने को लेकर चल रही कवायद रुक गई है। हैरानी ये है कि जिस तरह से तैयारी व मॉनीटरिंग चल रही थी और केंद्रीय मूल्यांकन बोर्ड से भी हरी झंडी मिल गई थी। लग रहा था मानो दिसंबर की शुरुआत में उसे लागू कर दिया जाएगा। यहां तो अगले वित्तीय वर्ष यानी 2025-26 की गाइड लाइन को लेकर तैयारी शुरू हो गई है। बता दें कि मंदसौर जिले में गाइड लाइन बढ़ाने की कवायद शुरु हुई थी। इसमें वे लोकेशन शामिल थी, जहां रजिस्ट्रियां अधिक हुई। इसी कारण जिन लोगों को गाइड लाइन बढने के कारण अधिक स्टाम्प ड्यूटी देने का डर था। उन्होंने पहले ही रजिस्ट्री करा ली। अब गाइड लाइन सीधे अगले वित्तीय वर्ष में ही बढ़ेगी।

प्रदेश के सभी जिलों को मिलाकर करीब 1.50 लाख लोकेशन चिन्हित है और सालाना रेवेन्यू अनुमानित 11 हजार करोड़ के आसपास शासन को मिलता। तीन महीने पहले ही मुख्यमंत्री ने गाइड लाइन बढ़ाने को लेकर वाणिज्य कर विभाग को निर्देश दिए थे। इसी आधार पर काम भी हो रहा था। गाइड लाइन में 5 से 20 फीसदी की बढ़ोतरी होना थी। चूंकि अधिकांश लोकेशन ग्रामीण क्षेत्रों की है, जिसके चलते वहां के बाजार भाव तेज हो गए। कुछ लोगों ने तो स्टाम्प ड्यूटी बचाने के चक्कर में रजिस्ट्रियां भी करा ली। गाइड लाइन बढने से बाजार भाव ज्यादा न बढ जाएं, इस चक्कर में कुछ सौदे अटक गए।

नई गाइड लाइन लागू करने की तैयारी शुरु हो गई है...

नई गाइड लाइन तैयार किए जाने की प्लानिंग चल रही है। जनवरी में उप जिला मूल्यांकन और फरवरी में जिला मूल्यांकन की बैठक हो जाएगी। ऐसे में अब चिन्हित लोकेशनों की गाइड लाइन नहीं बढ़ेगी। सभी लोकेशनों की गाइड लाइन नए वित्तीय वर्ष में एक साथ बढ़ेगी।

संपदा-2 के साथ अब भी चलाना पड़ रहा संपदा-1...

साल 2024 में लोकेशनों का चुनाव एआई द्वारा किया था, इस बार भी इसी तरीके से लोकेशन फाइनल होगी। फर्क सिर्फ इतना होगा कि डाटा संपदा-2 से उठाया जाएगा। लेकिन, अभी की स्थिति संपदा-2 में ओटीपी सिस्टम और लोकेशन सीमा का मामला फंसने के कारण संपदा-1 का भी उपयोग किया जा रहा है। जिसके चलते संपदा-1 पूरी तरह से बंद नहीं हो रहा है। संपदा-2 में जितनी भी रजिस्ट्रियां हो रही हैं, वो आधार बेस्ड डाटा के आधार पर हो रही हैं। कई मामले ऐसे भी सामने आ रहे हैं, जिनमें कई लोगों के फोटो अब भी आधार में लेटेस्ट अपडेट नहीं हुए हैं। ऐसे में मिसमैच संबंधी इशू आ रहा है। जिस स्पीड से काम चल रहा है, उससे संपदा-2 को पूरी तरह से लागू होने में समय लगेगा।

यहां होनी थी बढ़ोतरी...

मंदसौर में कुल 1043 लोकेशन है। इसमें मदसौर तहसील में शहरी 668 एवं ग्रामीण 214 कुल 882 लोकेशन है। इसी प्रकार दलोदा में शहरी 34 एवं ग्रामीण 127 कुल 161 लोकेशन है। इनमें से मंदसौर क्षेत्र में 24 लोकेशन पर वृद्धि होना थी। मल्हारगढ में शहरी लोकेशन 157 एवं ग्रामीण क्षेत्र में 202 लोकेशन कुल 359 है। इसमें 6 लोकेशन पर वृद्धि होना थी। गरोठ में शहरी लोकेशन 88 एवं ग्रामीण लोकेशन 138 सहित कुल लोकेशन 226 है। गरोठ में छह लोकेशन पर वृद्धि हुई है। भानपुरा में शहरी लोकेशन 110 एवं ग्रामीण लोकेशन 106 सहित कुल लोकेशन 216 है। यहां भी 6 लोकेशन पर वृद्धि होना थी। शामगढ में शहरी लोकेशन 211 एवं ग्रामीण लोकेशन 144 सहित कुल लोकेशन 355 है। यहां सिर्फ पांच लोकेशन पर वृद्धि होना थी। सीतामऊ में शहरी लोकेशन 216 एवं ग्रामीण लोकेशन 403 सहित कुल लोकेशन 619 है। यहां भी 6 लोकेशन पर वृद्धि होना थी। शहरी क्षेत्र में सबसे अधिक संजीत रोड, प्रतापगढ रोड, पुराना शहर जिसमें सत्यम विहार, साकेत विहार, राम मोहल्ला, जमालपुरा, यतींद्र विहार सहित अन्य जगहों की लोकेशन में बढ़ोतरी प्रस्तावित थी।

अंचल में सुबह से छाया कोहरा, शुरु हुआ तेज ठंड का दौर

मंदसौर, 29 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। अंचल में शुक्रवार को हुई बारिश के बाद शनिवार को दिनभर बादल छाए रहे। वहीं रविवार को भी यही स्थिति रही। सुबह भी घना कोहरा छाने से विजिबिलिटी 500 मीटर रही। इससे तापमान में गिरावट हुई है। रविवार सुबह न्यूनतम तापमान 11.7 डिग्री रहा, वहीं अधिकतम तापमान 22.5 डिग्री बना हुआ है। अगले 24 घंटों में दिन और रात के तापमान में और गिरावट आएगी।

मौसम वैज्ञानिक प्रदीप कुमार गुप्ता ने बताया- 'पश्चिमी-उत्तरी भारत में वेस्टर्न डिस्टरबेंस एक्टिव है। एक साइक्लोनिक सर्कुलेशन भी गुजर रहा है। इससे पिछले दो दिन तक ओले गिरे और बारिश हुई। आज से बारिश की एक्टिविटी कम हो जाएगी।इसके बाद पूरे प्रदेश में कड़ाके की ठंड का दौर शुरू हो जाएगा, जो पूरे जनवरी चलेगा। नए साल की पहली सुबह कड़ाके की ठंड पड़ने के आसार है।

भाजपा में लगातार मंथन, कांग्रेस की अब तक नहीं उड़ रही उगत

मंदसौर, 29 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। भाजपा में जिलाध्यक्ष को लेकर उठापटक का दौर जारी है। लेकिन, कहीं न कहीं कांग्रेस जिलाध्यक्ष के पद को हल्के में लेती आई है। लंबे समय तक अध्यक्ष नहीं बदले गए तो कहीं अध्यक्ष विवादों के घेरे में ही रहे। अब स्थिति यह है कि वर्तमान अध्यक्ष विधायक विपीन जैन विधानसभा चुनाव जीतने के बाद इस्तीफे की पेशकश कर चुके हैं। वह खुद ही कह चुके हैं कि विधायक होने के कारण मेरी व्यस्तता है। इसके बाद भी उन्हें जिम्मेदारी के बोझ से हल्का नहीं किया जा रहा। जबकि विधायकीय कामों की व्यस्तता के चलते कांग्रेस संगठन के कामों में खुद कांग्रेस का जिला कप्तान ही योजना नहीं बना पा रहा। इधर भाजपा में 12 सालों की ही बात करें तो करीब चार अध्यक्ष बदले जा चुके हैं। इधर भाजपा में नए जिलाध्यक्ष की घोषणा इसी साल या जनवरी के पहले सप्ताह में दिल्ली से होगी। इसको लेकर दो दिनी बैठक जारी है।

अध्यक्ष बदलने में पीछे कांग्रेस...

पिछले तेरह सालों की बात करें तो कांग्रेस ने सिर्फ दो बार अध्यक्ष बदले हैं। हालांकि इस बीच एक और अध्यक्ष की घोषणा की थी, लेकिन वह सिर्फ एक रात में ही बदल दिया गया। इसके अलावा भाजपा की बात करें तो भाजपा 12 साल में पांचवां अध्यक्ष चुनने जा रही है। 2011 में कांग्रेस ने प्रकाश रातडि?ा को जिलाध्यक्ष बनाया। वह पद पर नौ साल तक रहे। इसके बाद नवकृष्ण पाटिल को मौका दिया गया। उनका कार्यकाल विवादों से भरा रहा। इसके बाद मार्च 2023 में विपीन जैन को जिलाध्यक्ष बनाया। लेकिन, विस चुनाव जीतने के बाद ही उन पर विधायकी का बोझ बढ़ गया। उन्होंने काफी समय पहले इस्तीफे की पेशकश प्रदेश कांग्रेस से की। खुद भी माना कि विधायकी कामों की व्यस्तता के कारण उनकी व्यस्तता है। इधर भाजपा में 12 साल में सुधीर गुप्ता, देवीलाल धाकड़, चंदरसिंह सिसौदिया, नानालाल अटोलिया के रूप में देखा गया। अब साढ़े चार साल के कार्यकाल के बाद जिलाध्यक्ष फिर बदला जा रहा है।

पद मिलते ही हटाया अध्यक्ष पद से...

वर्तमान में खुद कांग्रेस जिलाध्यक्ष इस्तीफे की पेशकश कर चुके हैं। इसका कारण है कि विधायकी या अन्य जनप्रतिनिधि के रूप में होते हुए जिलाध्यक्ष या संगठन के अन्य महत्वपूर्ण पदों का निर्वहन करना मुश्किल है। इधर भाजपा इस बात को समझती है। 12 साल का ही रिकॉर्ड देखे तो सांसद सुधीर गुप्ता को चुनाव जीतने के बाद ही जिलाध्यक्ष पद से मुक्त किया गया था। इसी तरह देवीलाल धाकड़ और चंदरसिंह सिसौदिया को भी विधायक बनते ही जिलाध्यक्ष पद से मुक्त किया गया।

आज भी नए जिलाध्यक्ष के लिए बैठक

संगठन पर्व को लेकर दिल्ली में रविवार से दो दिन तक भाजपा की बड़ी बैठकें शुरु हुई है। राष्ट्रीय स्तर पर हो रही इन बैठकों में राज्यवार संगठन चुनावों की प्रगति और स्थानीय परिस्थितियों के हिसाब से नीतिगत निर्णय लिए जाने हैं। इसी बैठक में मप्र में जिलाध्यक्षों को रिपीट करने या नहीं करने की गाइडलाइन तय हो सकती है। प्रदेश भाजपा सूत्रों के मुताबिक संगठन में बड़े तबके की मांग है कि 5 साल तक जिलाध्यक्ष रह चुके व्यक्ति को दोबारा रिपीट नहीं किया जाए। वहीं कुछ जिलाध्यक्षों का तर्क है कि उनके नेतृत्व में पार्टी को विधानसभा और लोकसभा चुनावों में बड़ी सफलता मिली है, उनका कार्यकाल निर्विवाद और उपलब्धियों भरा रहा है तो उन्हें दोबारा मौका क्यों नहीं मिलना चाहिए? मप्र के नेताओं का कहना है इस मसले पर फिलहाल कोई स्पष्टनीति नहीं हैं, लेकिन राष्ट्रीय स्तर की बैठक में चर्चा के बाद स्पष्टता आ जाएगी। दिल्ली बैठक में प्रदेश भाजपा अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा, संगठन महामंत्री हितानंद, प्रदेश चुनाव प्रभारी समेत प्रदेश प्रभारी और राष्ट्रीय पर्यवेक्षक भी शामिल है।

1 से 3 जनवरी तक तैयार किया जाएगा पैनल...

बताया जाता है 1 जनवरी से 3 जनवरी के बीच 3 नामों का अंतिम पैनल तैयार किया जाएगा। इसके बाद अंतिम नामों की सूची फाइनल कर केंद्रीय संगठन को भेज दी जाएगी। केंद्रीय संगठन 5 जनवरी के बाद इसे कभी भी जारी कर देगा।शनिवार तक प्रदेश के अधिकांश जिलों में जिलाध्यक्ष के लिए रायशुमारी की प्रक्रिया पूरी हो गई है। शनिवार कई जिलों में रायशुमारी की गई, इसलिए दिनभर प्रदेश कार्यालय से लेकर भाजपा के जिला कार्यालयों में गहमागहमी बनी रही। जिन जिलों में बची हुई है, वह अगले दो दिन में पूरी हो जाएगी।रायशुमारी करने वाले सभी जिला प्रभारियों को 1 से 3 जनवरी के बीच तीन-तीन नामों का पैनल प्रदेश स्तर पर सौंपना है। जिला प्रभारियों को कहा गया है कि तीन नामों के पैनल में जहां संभव हो वहां एक सक्षम महिला कार्यकर्ता का नाम जरूर शामिल करना है।प्रदेश स्तर से इन नामों की स्क्रूटनी करने के बाद फाइनल नामों दिल्ली भेजे जाएंगे। क्योंकि इस बार जिलाध्यक्षों के नामों की घोषणा विधायक और सांसदों की टिकट की तरह राष्ट्रीय स्तर पर दिल्ली से की जानी है।

60 साल से ज्यादा आयु का नहीं होगा जिलाध्यक्ष...

अब तक जो तय हुआ उसके हिसाब से कोई भी जिलाध्यक्ष 60 वर्ष से अधिक आयु का नहीं होगा। लगभग 25 फीसदी जिलाध्यक्ष के पद महिलाओं को दिए जा सकते हैं। यानी कुल 60 जिलाध्यक्षों में से 15 जिलाध्यक्ष महिलाएं हो सकती हैं।

युवती ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

पिपलियामंडी, 29 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। प्रताप कॉलोनी में एक युवती ने घर पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। बालिका ऑनलाइन गेम खेलती थी। मृत्यु पूर्व उसका मोबाइल पूरा टूटा हुआ मिला, उसमें सीम भी नही थी। पुलिस मामले की जांच कर रही है। जानकारी के अनुसार प्रताप कॉलोनी में निवासरत जितेन्द्र पंवार की 20 वर्षीय बेटी शिवानी ने रविवार दोपहर 2 बजे करीब स्वयं के घर में फांसी लगा ली। घटना के दौरान घर पर कोई नही थी। पिता घड़ी मेकेनिक होकर दुकान पर थे। मां हेमा बाजार से जैसी ही घर पहुंची, बेटी शिवानी को फन्दे पर लटका देख होश उड़ गए, हेमा के चिल्लाने पर आस-पास रहवासी मौके पहुंचे, बालिका को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र ले गए। जहां चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस के अनुसार युवती आनलाइन गेम खेलती थी। घटनास्थल पर उसका मोबाइल भी चकनाचूर हालत में फूटा हुआ मिला, जिसमें सीम भी नही थी। पुलिस ने शव पीएम के बाद परिजनों को सुपुर्द कर दिया है।

अभिभावकों को सचेत होना जरुरी

चौकी प्रभारी रितेश नागर ने बताया कि युवती की प्रारंभिक तौर पर आत्महत्या का कारण ऑनलाइन गेम को लेकर ही सामने आया है। हालांकि कारण कभी स्पष्ट नही है। फिर भी बच्चों व युवकों के प्रति अभिभावकों को सचेत रहना जरुरी है। बच्चे कौन सा गेम खेल रहे है, गेम रुपए हार-जीत का तो नही है, इस पर भी नजर रखे, बच्चों के मोबाइल समय पर चेक करते रहे, उनकी गतिविधियों पर भी नजर रखे।

एक माह में दूसरी घटना...!

उल्लेखनीय है थाना क्षेत्र में ऑनलाइन गेम में आत्हत्या का यह दूसरा मामला है। इससे पूर्व 3 दिसम्बर को गांव सेमली में ऑनलाइन गेम के शोकनी 16 वर्षीय बालक सौरभ पिता मुकेश मीणा ने पिता द्वारा मोबाइल रिचार्ज नही कराने पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी।

नीलगाय के हमले से महिला की मौत

गरोठ, 29 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। गांव बोलिया में रविवार सुबह सोच के लिए गई महिला मांगी बाई पति संजय माली की नीलगाय कि हमले से मौत हो गई। जिसका पोस्टमार्टम गरोठ के इंदिरा गांधी शासकीय चिकित्सालय में किया गया, गरोठ पुलिस घटना की जांच में जुटी हुई है।

गरोठ क्षेत्र में आए दिन नीलगाय तथा रोजड़ो से जन जीवन परेशान है, कई बार दुर्घटनाओं में कई लोगों की जान चली गई है लेकिन इस बार तो नीलगाय के हमले ने महिला की जान ले ली, इस समस्या से निजात पाने के लिए क्षेत्र को लोगों का कहना है कि राज्य स्तर पर कोई नीति बने और नीलगाईयों से निजात मिले ,नीलगाय तथा रोजगारों से क्षेत्र के किसान कॉफी परेशान है जिनकी फसले नीलगाईयों के हमले से चौपट हो रही है। पीएम के लिए साथ आए पति संजय माली ने बताया हैं कि मेरी पत्नी रोज सवेरे 4:00 बजे उठ जाती है, पास के खाल में सोच के लिए गई थी काफी देर हो गई नहीं आई तो हम लोग खाल की.... शेष पेज 4 पर

पत्नी की गला दबाकर हत्या, खुद ने भी फांसी लगाई

युवक ने 3 मिनट का वीडियो बनाया, पत्नी के सरपंच से अवैध संबंधों का जिक्र

मनासा, 29 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। एक युवक ने पत्नी की गला दबाकर हत्या कर दी। इसके बाद खुद भी फांसी लगाकर अपनी जान दे दी। सुसाइड से पहले उसने स्थानीय बोली में करीब 3 मिनट का एक वीडियो भी बनाया है। इसमें उसने पत्नी के एक सरपंच से अवैध संबंधों का जिक्र किया है। घटना मनासा से 20 किलोमीटर दूर रामपुरा थाना क्षेत्र के बुज गांव की है। रामपुरा थाना प्रभारी उमेश यादव ने बताया कि परिजन शनिवार रात 22 वर्षीय रेखा का शव लेकर आए थे। रविवार सुबह पति मनीष बंजारा का शव लाया गया। दंपती का 3 साल का बेटा है।

वीडियो में कहा-12वीं पास हूं, पत्नी इज्जत नहीं करती थी...

वीडियो में युवक ने कहा- मेरा नाम मनीष कछावा (बंजारा) है। चार साल पहले मेरी शादी हुई थी। इसके बाद से ही पत्नी अपने मायके के सुरेश सरपंच नाम के युवक से बात करती थी। मेरे पास दोनों की बातचीत की रिकॉर्डिंग भी है। दो बार मैंने पत्नी को बात करते हुए पकड़ा। घर वालों को बताया तो उन्होंने समझाया कि धीरे-धीरे रिश्तों में सुधार हो जाएगा। वह हर बार 6 माह के लिए मायके चली जाती थी। मेरे घर वाले उसे मनाकर वापस ले आते। यह सब चलते हुए 3 साल हो गए। इस बीच पत्नी ने एक बालक को जन्म दिया। इसके बाद भी पत्नी सुरेश सरपंच के संपर्क में रही। मैं डिप्रेशन में चला गया। पत्नी रूठ कर मायके चली गई। सुरेश सरपंच का मेरे सास व ससुर से अच्छा व्यवहार था। इसलिए वे कुछ नहीं कहते थे। उसका मेरी ससुराल में लगातार आना-जाना रहता था।

उसने लिखा कि तबीयत खराब होने के बावजूद पत्नी ने रोटी नहीं दी। जब तबीयत ठीक हुई तो मैंने खिमला प्लांट में 2 से 3 महीने काम किया। पत्नी का खर्चा-पानी उठाया, तब भी वह रूठ कर मायके में बैठी रही। कुछ दिनों बाद काका के मृत्युभोज में आई। 12-13 दिन तक तो उसने मुझसे बात नहीं की। मैं 12वीं पास हूं। मैंने आईटीआई भी किया है, लेकिन वह मेरी पढ़ाई व मेरी इज्जत नहीं करती थी। मैं यह वीडियो इसलिए बना रहा हूं कि ताकि लोग मुझे गलत न समझें। एक पुत्र होने के बाद उसने मुझे बिना बताए बच्चा न होने वाला ऑपरेशन करा लिया। इसके बाद से वह अलग कमरे में सोती थी। इसलिए परेशान होकर मैंने उसे मार डाला। अब खुद को भी समाप्त करूंगा।

एसडीओपी ने कहा-केस दर्ज, सभी से होगी पूछताछ...

मनासा एसडीओपी विमलेश उईके का कहना है कि मामले में केस दर्ज कर लिया गया है। युवक ने जिस पर भी आरोप लगाए हैं। सभी से पूछताछ की जाएगी।

डबल लाईन के लिए...

मंदसौर डबल रेलवे लाईन के लिए गीताभवन अण्डरब्रिज को दो माह के लिए बंद किया गया है। रविवार को ब्रिज के नीचे अभिनंदन तरफ एक लाईन पर चार ब्लॉक लगा दिए गए है। अब दूसरी तरफ दूसरी लाईन पर ब्लॉक डालने का कार्य शुरु किया जाएगा।

एमपी बोर्ड:मशीन तय करेगी केंद्राध्यक्ष व सहायक केंद्राध्यक्ष का नाम

नकल और प्रश्नपत्र लीक होने पर रोक लगाने के लिए नई व्यवस्था

मंदसौर, 29 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। मप्र माध्यमिक शिक्षा मंडल (माशिमं) की परीक्षा में केंद्रों पर तैनाती को लेकर इस बार मनमानी नहीं चल पाएगी। मंडल ने तय किया है कि इस बार किसी परीक्षा केंद्र पर केंद्राध्यक्ष और सहायक केंद्राध्यक्ष कौन होगा, इसका फैसला अधिकारी नहीं, बल्कि मशीन करेगी।

बता दें कि 10वीं व 12वीं की परीक्षा 25 फरवरी से शुरू होने वाली है। इस बार परीक्षा में नकल पर रोक और प्रश्नपत्र को लीक होने से बचाने के लिए बोर्ड ने नियमों में कई बदलाव किए हैं। एक बदलाव केंद्राध्यक्ष और सहायक केंद्राध्यक्ष की चयन प्रक्रिया में भी हुआ है। बताया जा रहा है कि अब माशिमं द्वारा निर्धारित परीक्षा केंद्रों पर केंद्राध्यक्ष एवं सहायक केंद्राध्यक्षों की नियुक्ति विकासखण्ड स्तर पर नही होगी।

योग्य लोगों की सूची तैयार होगी- अब केंद्राध्यक्ष और सहायक केंद्राध्यक्ष बनाने के योग्य लोगों की एक जिला स्तरीय सूची तैयार होगी। जिला कलेक्टर की अध्यक्षता में गठित एक समिति इसका अनुमोदन कर देती है तो जिला शिक्षा अधिकारी इस सूची को जिला सूचना विज्ञान केंद्र (एनआईसी) भेजेंगे। वहां पहले से मौजूद केंद्रों की सूची के साथ इस सूची को भी विशेष सॉफ्टवेयर में डाला जाएगा।

सुविधाजनक केंद्र की जुगाड़- वह सॉफ्टवेयर रैंडम पद्धति से किसी शिक्षक का नाम जिले के किसी केंद्र के साथ केंद्राध्यक्ष या सहायक केंद्राध्यक्ष के तौर पर जोड देगा। अधिकारियों का कहना है कि इस प्रक्रिया से किसी खास केंद्र के लिए होने वाला जोड़तोड़ खत्म होगा। पिछली परीक्षाओं में यह बार-बार देखने में आता था कि लोग परीक्षा के दिन तक सुविधाजनक केंद्र या नजदीक आने के लिए अफसरों से जुगाड लगाते रहते थे।

जिनके बच्चे परीक्षा में उनसे परहेज-बोर्ड ने साफ कह दिया है कि जिनके बच्चे परीक्षा दे रहे होंगे, उन्हें पर्यवेक्षक या केंद्राध्यक्ष हीं बनाया जाएगा। गंभीर बीमारी से पीड़ित को भी परीक्षा कार्य में नहीं लगाया जाएगा। साथ ही उच्तर माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों को उनके विषयों के प्रश्नपत्रों में पर्यवेक्षक के रूप में ड्यूटी नहीं लगाई जाएगी।

ऐसे लोगों को केंद्राध्यक्ष बनाने की मनाही-पिछले वर्षों की परीक्षा में जिन परीक्षा केंद्रों पर सामूहिक नकल की घटना हुई है तो ऐसे परीक्षा केंद्रों पर उस समय नियुक्त केंद्रोध्यक्ष को इस वर्ष की परीक्षा में केंद्राध्यक्ष... शेष पेज 4 पर

विचार-मंथन

जानबूझ कर जानकारी छिपाना भ्रामक विज्ञापनों के दायरे में

देश भर में फैले ज्यादातर कोचिंग संस्थानों में जितने भी विद्यार्थी पढ़ाई करने जाते हैं, उसकी मुख्य वजह यही होती है कि ऐसी जगहों के बारे में उन्हें यह बताया जाता है कि वहां से निकले सभी प्रतिभागियों को हर हाल में नौकरी मिलेगी। ऐसे कोचिंग संस्थानों के बारे में सार्वजनिक प्रचारों में वहां पढ़ने वाले विद्यार्थियों की कामयाबी और मनपसंद जगह पर चुन लिए जाने के बारे में जैसे दावे किए जाते हैं, उनमें से ज्यादातर सच्चाई से दूर होते हैं, लेकिन ये प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले नए विद्यार्थियों को अपने आकर्षण के जाल में उलझाने में कामयाब हो जाते हैं। दरअसल, कोचिंग संस्थानों के बारे में तैयार प्रचार सामग्री को अक्सर भ्रामक तरीके से पेश किया जाता है, तो कई बार झूठे दावे परोसने में भी संकोच नहीं किया जाता। ऐसा इस हकीकत के बावजूद किया जाता है कि सार्वजनिक रूप से किए गए ऐसे दावे कभी कसौटी पर भी रखे जा सकते हैं और उसके बाद उस पर सवाल उठाए जा सकते हैं। गौरतलब है कि केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण यानी सीसीपीए ने तीन कोचिंग संस्थानों पर इस वजह से पंद्रह लाख रुपए का जुर्माना लगाया है कि उन्होंने सिविल सेवा परीक्षाओं में प्रतिभागियों की सफलता की दर के बारे में भ्रामक तथ्य परोसे थे। सीसीपीए ने अपनी पड़ताल में यह पाया कि कोचिंग संस्थानों ने जानबूझ कर यह बात छिपाई कि उनके ज्यादातर सफल अभ्यर्थियों ने केवल साक्षात्कार मार्गदर्शन कार्यक्रमों में पंजीकरण कराया था। जबकि इसी दावे की वजह से वहां के अन्य पाठ्यक्रमों की प्रभावशीलता के बारे में एक भ्रामक धारणा बनी। विद्यार्थियों का आर्थिक शोषण और उनके भविष्य के साथ खिलवाड़ किस पैमाने पर किया जाता है, इसका अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि सीसीपीए ने जिन कोचिंग संस्थानों पर जुर्माना लगाया है, उनमें से एक की ओर से अपने बारे में किए गए प्रचार में 2022 की संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षा में '933 में से 617 चयन' का दावा किया गया, जबकि वहां सफल अभ्यर्थियों में से ज्यादातर ने केवल साक्षात्कार की तैयारी के लिए पाठ्यक्रम में पंजीकरण कराया था। इसी तरह, कई बार प्रतियोगिता परीक्षाओं के नतीजे आने के बाद एक ही उत्तीर्ण अभ्यर्थी की तस्वीर के साथ अनेक कोचिंग संस्थान अपने विज्ञापनों में उसके अपने यहां पढ़ाई किए होने का दावा करते हैं। जाहिर है, यह एक तरह का भ्रम परोस कर अपने संस्थान में पढ़ने के लिए आकर्षित करने की हरकत है। दूसरी ओर, अपने आंतरिक ढांचे के भीतर शिक्षण का प्रारूप, शिक्षकों और उनकी योग्यता का ब्योरा, संसाधन आदि के बारे में पारदर्शिता का निर्वाह शायद ही कभी किया जाता है। सवाल है कि जो तथ्य सार्वजनिक पटल पर होते हैं और उन्हें कोई भी थोड़ी कोशिश करके जान सकता है, उसके जरिए प्रकारांतर से ठगी का धंधा कैसे चलता रहता है। इस संबंध में केंद्र सरकार ने सख्त नियम भी बनाए हैं। उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम के तहत जानबूझ कर महत्वपूर्ण जानकारी छिपाने संबंधी प्रचार भ्रामक विज्ञापनों के दायरे में आते हैं। हाल ही में सीसीपीए ने भ्रामक प्रचार करने वाले कई अन्य कोचिंग संस्थानों पर भी भारी जुर्माना लगाया था। विडंबना यह है कि नियम-कायदों की अनदेखी करके अपने प्रचार के क्रम में कई कोचिंग संस्थान जो दावे करते हैं, उसमें पारदर्शिता सुनिश्चित करना उन्हें जरूरी नहीं लगता। यह समझना मुश्किल है कि सीमित अवसरों के दौर में 'सौ फीसद चयन' जैसी गारंटी का दावा करने में कोई संकोच क्यों नहीं होता।

डॉ मनमोहन सिंह के प्रति इतिहास आखिर क्यों दयालु होगा?

कमलेश पांडे

ऐसा इसलिए कि पत्रकारिता भी तो आज का इतिहास ही है। यह हर रोज गुजरते इतिहास का जीता-जागता सबूत है। कभी कभी तो वह खुद को दोहराता भी है, जैसा कि इतिहास बेकन ने कहा है। इसलिए सहज ही सवाल उठता है कि क्या मीडिया नासमझ है और इतिहास वस्तुनिष्ठ, जिस पर पक्षपात के आरोप लगते आए हैं! या फिर वो यानी डॉ सिंह जज्बाती, जिन्होंने मैडम (सोनिया गांधी) का यस मैन बनकर अपनी सियासत तो चमका ली, अपने युगान्तकारी नीतियों-रणनीतियों से कुछ लोगों को लाभान्वित भी कर गए! लेकिन जब एक शासक के रूप में राष्ट्रीय प्रतिष्ठा को बचाने और आतंकवादियों व उनके आकाओं के खिलाफ सख्त प्रशासनिक फैसले लेने की जरूरत आई तो किंकर्तव्यविमूढ़ बन बैठे। वहीं, राष्ट्रीय संसाधनों पर अल्पसंख्यकों के पहले अधिकार की बात छेड़कर बहुसंख्यक समाज के आंखों की किरकिरी बन बैठे। चाहे आरक्षण हो या बेरोजगारी, इसका समुचित समाधान अपने 10 वर्षीय शासनकाल में भी नहीं दे पाए, जिसके चलते एक बार राहुल गांधी भी उनसे नाखुश प्रतीत हुए और उसके बाद ही उन्हें चुनावी हार का भी सामना करना पड़ा। बावजूद इसके जब उनसे जुड़ी विभिन्न बातों को यदि समय की कसौटी पर कसा जाए, उनके विचारों और व्यवहारों को परखा जाए तो उपर्युक्त तीनों बातें सही हैं। इसके बावजूद, डॉ सिंह का पलड़ा इसलिए भारी है, क्योंकि वह स्वभाव से मृदु, पेशेवर तौर पर ईमानदार और राजनीतिक रूप से सदाशयी और स्पष्टवादी व्यक्ति थे। जिस दौर में उन्होंने सियासत की, जैसा उन्होंने कांग्रेस/यूपीए परिवार का विश्वास और भरोसा हासिल किया और जिन मानवीय मूल्यों को निभाया, उसमें वो सौ प्रतिशत खरे हैं। हां, इतना अवश्य है कि जब चांद भी बेदाग नहीं समझा जाता तो यह सियासी चांद भी 26/11 जैसी दुर्भाग्यपूर्ण घटनाओं के बाद आक्रामक कार्रवाई न करने के लिए जनमानस के कठघरे में खड़ा है! वहीं, देश के संसाधनों पर पहला अधिकार अल्पसंख्यकों का है, का राग अलापकर अपने धवल इतिहास में भी उलाहना के कुछ पंक्तियों को सुनने के लिए हमेशा समुपस्थित रहेगा। बातें बहुत सारी हैं, जिन्हें गागर में सागर की तरह समाया नहीं जा सकता। फिर भी इतिहास के एक अध्ययनकर्ता के रूप में और मीडिया कर्मी के रूप में भी मैं कांग्रेस के इन विचारों से सहमत हूं कि डॉ. मनमोहन सिंह को उनके गरिमामय आचरण, सार्वजनिक सेवा के प्रति प्रतिबद्धता, गहन ज्ञान और विनम्रता के लिए हमेशा याद रखेगा। इस बात में कोई दो राय नहीं है कि वह अपने पीछे आर्थिक सुधारों, राजनीतिक स्थिरता और प्रत्येक भारतीय के जीवन के उत्थान के लिए समर्पण की विरासत छोड़ गए हैं। पहले एक टेक्नोक्रेट के रूप में, उसके बाद अर्थशास्त्री के रूप में और फिर भारत के प्रधान मंत्री के रूप में उनका कार्यकाल सामाजिक कल्याण पर ध्यान देने के साथ आर्थिक समृद्धि और विश्व मानचित्र पर भारत की स्थिति को मजबूत करने के लिए याद किया जाएगा। कहना न होगा कि अपने शांत लेकिन

लचीले नेतृत्व के लिए जाने जाने वाले, वह एक सिद्धांतवादी व्यक्ति थे जिन्होंने देखभाल, चिंता और देश के कल्याण के अलावा किसी भी चीज के प्रति दृढ़ प्रतिबद्धता के साथ कठोर निर्णय लिए। एक नेता के रूप में, डॉ. सिंह ने शायद ही कभी सुर्खियां बटोरी हों, फिर भी उनके फैसले भारतीय समाज के हर पहलू और उससे परे गहराई से गूंजते रहे। इस तरह से राजनीतिक सहयोगियों, विरोधियों और विश्व नेताओं से उन्होंने जो विश्वास और सम्मान अर्जित किया, वह उनके गहरे प्रभाव का प्रमाण है। देखा जाए तो प्रख्यात अर्थशास्त्री डॉ. मनमोहन सिंह भारत के 13 वें प्रधानमंत्री थे। वो लोकसभा चुनाव 2009 में मिली जीत के बाद, जवाहरलाल नेहरू के बाद भारत के पहले ऐसे प्रधानमंत्री बने, जिन्हें पांच वर्षों का कार्यकाल पूरा करने के बाद लगातार दूसरी बार प्रधानमंत्री बनने का अवसर मिला था। वहीं, उन्हें 22 जून 1991 से 16 मई 1996 तक पीवी नरसिंह राव के प्रधानमंत्रित्व काल में वित्त मंत्री के रूप में किए गए आर्थिक सुधारों का श्रेय दिया जाता है। उन्होंने पंजाब विश्वविद्यालय से स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर की पढ़ाई पूरी की। इसके बाद वह कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय गए, जहां से उन्होंने पीएचडी की उपाधि हासिल की। फिर उन्होंने ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय से डी-फिल भी किया। उनकी पुस्तक इंडियाज एक्सपोर्ट ट्रेंड्स एंड प्रोस्पेक्ट्स फॉर सेल्फ सस्टेंड ग्रोथ भारत की व्यापार नीति की पहली और सटीक आलोचना मानी जाती है। डॉ. सिंह ने अर्थशास्त्र के अध्यापक के तौर पर काफी ख्याति अर्जित की। वह पंजाब विश्वविद्यालय और बाद में प्रतिष्ठित दिल्ली स्कूल ऑफ इकनामिक्स में प्राध्यापक रहे। इसी बीच वह संयुक्त राष्ट्र व्यापार और विकास सम्मेलन सचिवालय में सलाहकार भी रहे और 1987 और 1990 में जेनेवा में साउथ कमीशन में सचिव भी रहे। 1971 में डॉ. सिंह भारत के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय में आर्थिक सलाहकार के तौर पर नियुक्त किए गए। इसके बाद 1972 में उन्हें वित्त मंत्रालय में मुख्य आर्थिक सलाहकार बनाया गया। मनमोहन सिंह योजना आयोग के उपाध्यक्ष भी रहे हैं। इसके अलावा रिजर्व बैंक के गवर्नर, प्रधानमंत्री के आर्थिक सलाहकार और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अध्यक्ष भी रहे। भारत के आर्थिक इतिहास में सबसे महत्वपूर्ण मोड़ तब आया जब वह 1991 से 1996 तक भारत के वित्त मंत्री रहे। 1985 में राजीव गांधी के शासन काल में मनमोहन सिंह को योजना आयोग का उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया। इस पद पर उन्होंने लगातार पांच वर्षों तक कार्य किया, जबकि 1990 में वह प्रधानमंत्री के आर्थिक सलाहकार बनाए गए। जब पीवी नरसिंह राव प्रधानमंत्री बने तो उन्होंने मनमोहन सिंह को 1991 में अपने मंत्रिमंडल में शामिल किया और वित्त मंत्रालय का स्वतंत्र प्रभार सौंपा। इस समय वह न तो लोकसभा और न ही राज्यसभा के सदस्य थे। मगर संवैधानिक व्यवस्था के अनुसार सरकार के मंत्री को संसद का सदस्य होना आवश्यक होता है। इसलिए उन्हें 1991 में असम से राज्यसभा भेजा गया था। डॉ. मनमोहन सिंह ने वित्त मंत्री के रूप में कार्य करते हुए साल 1991 में शुरू किए गए आर्थिक उदारीकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। इसमें सरकारी नियंत्रण को कम करना, प्रत्यक्ष विदेशी निवेश को बढ़ाना और स्ट्रक्चरल रिफॉर्म्स को लागू करना शामिल था, जिसने भारत की अर्थव्यवस्था को वैश्विक बाजारों के लिए खोल दिया था।

राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (नरेगा): 2005 में शुरू किए गए इस अधिनियम ने प्रत्येक ग्रामीण परिवार को 100 दिन के वेतन रोजगार की गारंटी दी, जिससे लाखों लोगों की आजीविका में उल्लेखनीय सुधार हुआ और ग्रामीण बुनियादी ढांचे में वृद्धि हुई। सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 में पारित आरटीआई ने नागरिकों को सार्वजनिक प्राधिकरणों से जानकारी मांगने का अधिकार दिया, जिससे शासन में पारदर्शिता और जवाबदेही को बढ़ावा मिला।

इंडिया गठबंधन से कांग्रेस को निकालना संभव नहीं?

संतोष पाठक

दिल्ली में लगातार विधानसभा का चुनाव जीत रही आम आदमी पार्टी ने अब विपक्षी इंडिया गठबंधन से कांग्रेस को ही बाहर निकालने की मांग कर दी है। हालांकि केजरीवाल की पार्टी की इस बेतुकी मांग पर अभी इंडिया गठबंधन में शामिल अन्य विपक्षी दलों की कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है लेकिन वास्तविकता तो सभी नेता जानते हैं। यहां तक कि विपक्षी गठबंधन से कांग्रेस को बाहर निकालने की मांग करने वाली आम आदमी पार्टी के नेता भी इस बात को बखूबी जानते हैं कि कांग्रेस को विपक्षी गठबंधन से बाहर भगाना संभव नहीं है। विडंबना देखिए कि, जिस विपक्षी इंडिया गठबंधन का गठन ही केंद्र से नरेंद्र मोदी सरकार को हटाने के लिए किया गया है। उस गठबंधन में लोकसभा में 3 सीट की हैसियत रखने वाली आम आदमी पार्टी 99 लोकसभा सांसदों वाली कांग्रेस पार्टी को गठबंधन से बाहर निकालने की बेतुकी मांग कर रही है। ऐसे में सवाल यह खड़ा हो रहा है कि देश की वास्तविक राजनीतिक परिस्थिति को समझने के बावजूद आम आदमी पार्टी इस तरह की बेतुकी मांग क्यों कर रही है ? इसके पीछे सबसे बड़ी वजह, दिल्ली में होने वाला विधानसभा चुनाव है। कहने को तो आप की सरकार दिल्ली और पंजाब यानी देश के दो राज्यों में है। ताकत और कामकाज के मामले में केंद्र सरकार के हस्तक्षेप से मुक्त होने के कारण पंजाब में सरकार होने का अपना फायदा है लेकिन दिल्ली में उपराज्यपाल के ज्यादा मजबूत होने के बावजूद, यह राज्य केजरीवाल के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। दिल्ली की हार केजरीवाल की पार्टी के अस्तित्व पर ही सवालिया निशान लगा देगी। अगर आप दिल्ली की सत्ता से बाहर हुई तो पार्टी में एक बड़ी टूट होने का भी खतरा पैदा हो सकता है और इसी डर ने आप के नेताओं को बुरी तरह से डरा दिया है। ऐसे में सवाल यह खड़ा हो रहा है कि दिल्ली में लगातार तीन विधानसभा चुनावों में जीत हासिल कर, सरकार बनाने वाली आप को हार का डर क्यों सताने लगा है ? वर्ष 2020 में हुए पिछले विधानसभा चुनाव में 70 में से 62 सीटें और वर्ष 2015 के विधानसभा चुनाव में 70 में से 67 सीटें जीतने वाली आप को इस बार हार का डर क्यों सताने लगा है ? दरअसल, वर्ष 2013 में दिल्ली में अपना पहला विधानसभा चुनाव लड़ने वाली आम आदमी पार्टी ने एक रणनीति के तहत पार्टी के नाम और चुनाव चिन्ह झाड़ू का चयन किया था। उस समय यूपीए सरकार के

अंदर से लगातार आ रहे घोटालों और भ्रष्टाचार को बड़ा मुद्दा बनाते हुए केजरीवाल ने कांग्रेस के वोट बैंक में भी सेंध लगा दिया था। अपने पहले ही चुनाव में आप ने दिल्ली की 70 में से 28 सीटों पर जीत हासिल करके सबको चौंका दिया था। 2013 के उस चुनाव में अंदरखाने आप की मदद कर, शीला दीक्षित को हराने में बड़ी भूमिका निभाने वाले कुछ कांग्रेसी नेताओं ने दिल्ली कांग्रेस नेताओं के मना करने के बावजूद आप को समर्थन देकर , केजरीवाल को मुख्यमंत्री बना दिया। इसका नतीजा यह हुआ कि कांग्रेस लगातार कमजोर होती चली गई। कांग्रेस के वोट बैंक पर पूरी तरह से आम आदमी पार्टी ने कब्जा कर लिया। शीला दीक्षित ने अपने 15 वर्षों के कार्यकाल में दिल्ली में कांग्रेस के पक्ष में एक मजबूत वोट बैंक तैयार कर दिया था। उन्होंने दिल्ली में रहने वाले बिहार और उत्तर प्रदेश के लोगों को मजबूती से कांग्रेस के साथ जोड़ दिया था। झुग्गी-झोपड़ी में रहने वाले लोगों के साथ-साथ मुसलमान भी मजबूती से कांग्रेस के साथ जुड़ गए थे। लेकिन धीरे-धीरे इन सभी मतदाताओं को आप ने अपने पाले में कर लिया। केजरीवाल ने मुफ्त बिजली और पानी देकर दिल्ली के झुग्गीवासियों और मिडिल क्लास को साथ लिया। फ्री डीटीसी सफर की सुविधा देकर महिला मतदाताओं को लुभा लिया। इसके साथ ही उन्होंने दिल्ली में रहने वाले बिहार और यूपी के लोगों को भी तवज्जो देकर एक मजबूत वोट बैंक तैयार कर लिया। भाजपा को हराने के नाम पर मुस्लिम मतदाता भी केजरीवाल के साथ जुड़ गए। कांग्रेस उलझन और ऊहापोह की स्थिति के कारण अपने इसी वोट बैंक को पूरी तरह से आम आदमी पार्टी से छीन नहीं पा रही थी क्योंकि कांग्रेस के नेताओं को समझ ही नहीं आ रहा था कि वे आप को दोस्त माने या दुश्मन। दिल्ली में लड़ रहे कांग्रेसी नेताओं का भी अपने ऊपर से भरोसा ही उठ गया था कि वे केजरीवाल से लड़ भी सकते हैं और यही बात आम आदमी पार्टी के लिए सबसे बड़ा वरदान था।

एनटीए का बोझ कम होगा, लेकिन दुश्वारियां नहीं

नैशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) की कार्यप्रणाली पिछले दो-तीन वर्षों से सवालों के घेरे में है। लेकिन, 2024 के मेडिकल एंट्रेंस टेस्ट नीट में गड़बड़ियों ने एजेंसी की कमजोरियों को पूरी तरह से उजागर कर दिया। ऐसे में सवाल उठे तो केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने पहले संस्था के डायरेक्टर जनरल को हटाया, फिर जाने-माने शिक्षाविद डॉ. के. राधाकृष्णन की अध्यक्षता में 7 सदस्यीय उच्चस्तरीय कमिटी का गठन कर डाला। कमिटी की रिपोर्ट के आधार पर सरकार ने कई अहम फैसले लिए हैं, जिनमें एनटीए का बोझ कम करना सही मायनों में एक बड़ा कदम है। यह ठीक है कि एनटीए अब रिक्रूटमेंट (भर्ती) के लिए कोई परीक्षा आयोजित नहीं करेगी, लेकिन क्या इससे एजेंसी की चुनौतियां कम हो जाएंगी? 2025 में परीक्षा सुधारों को सफलतापूर्वक लागू करना भी सरकार और एजेंसी के लिए बड़ा काम होगा, खासकर दूरदराज और ग्रामीण इलाकों में कंप्यूटर मोड के लिए टेस्टिंग सेंटर तलाशना और छात्रों को घर के नजदीक एग्जाम सेंटर उपलब्ध कराना। कोचिंग सेंटरों द्वारा स्टूडेंट्स पर बनाए जाने वाले फिजूल दबाव को कैसे कम किया जाए, यह भी सवाल है? क्वेश्चन पेपर ऐसे डिजाइन करने होंगे, जिससे कोचिंग सेंटरों की रोबोटिक प्रैक्टिस का प्रभाव कम किया जा सके। एनटीए की ज्यादातर परीक्षाएं कंप्यूटर बेस्ड टेस्ट यानी सीबीटी मोड में होती है। नीट को पेन एंड पेपर मोड में कराया जाता है और 2024 में कॉमन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट को सीबीटी के साथ-साथ पेन एंड पेपर पैटर्न में करवाया गया। अब जनवरी में जेईई मेन और क्वेट तो सीबीटी मोड में ही होने हैं, लेकिन नीट को लेकर शिक्षा मंत्रालय और स्वास्थ्य मंत्रालय के बीच यही कशमकश चल रही है कि इस एग्जाम को कैसे कराएं। अनुमान के मुताबिक, इंजिनियरिंग में 12 से 15 लाख, नीट यूजी में 23 लाख से ज्यादा और यूजीसी नेट व सीएसआईआर यूजीसी नेट में भी 15 लाख तक आवेदन होते हैं। इनके अलावा चार साल के इंटीग्रेटिड टीचर एजुकेशन प्रोग्राम, ग्रैजुएट एप्टिट्यूड टेस्ट ऑफ बायोटेक्नॉलजी, एग्रीकल्चर कोर्सेज में एडमिशन का टेस्ट, मैनेजमेंट टेस्ट समेत ढेरों दूसरी परीक्षाएं भी हैं। उच्चस्तरीय कमिटी ने सुझाव दिया है कि कम से कम 1000 टेस्ट सिक्योर्ड स्टैंडर्ड टेस्टिंग सेंटर हों, छात्र को उसके जिले में ही टेस्टिंग सेंटर मिले। हालांकि यह इतना आसान नहीं। कंप्यूटर बेस्ड परीक्षा के लिए प्राइवेट सेंटरों पर निर्भर रहना ही होगा। पिछले कुछ वर्षों का अनुभव कहता है कि बड़ी संख्या में टेस्ट सेंटर्स पर सर्वर और कनेक्टिविटी की समस्या होती है। इसके कारण पेपर देरी से होता है और कई बार स्थगित तक करना पड़ता है। एनटीए कंप्यूटर टेस्ट के लिए 300 से 400 टेस्ट सेंटर ढूंढ पाती है, उनमें से भी कुछ को ब्लैकलिस्ट करना पड़ता है। अगर मेडिकल टेस्ट भी सीबीटची मोड में होता है तो फिर काफी टेस्ट सेंटर तलाशने होंगे और नॉर्मलाइजेशन की प्रक्रिया भी एक चुनौती होगी क्योंकि अलग-अलग शिफ्ट में अलग-अलग पेपर होंगे। अभी तक एजेंसी एकला चलो की रणनीति पर चलती थी, लेकिन कमिटी की सिफारिश के बाद शिक्षा मंत्रालय ने तय किया है कि एंट्रेंस टेस्ट के लिए जो भी सेंटर बनाए जाएंगे, उन्हें फाइनल करने से पहले जिला मैजिस्ट्रेट, स्थानीय प्रशासन और लोकल पुलिस से भी राय ली जाएगी। कंप्यूटर बेस्ड टेस्ट सेंटर बनाने में स्थानीय प्रशासन की मदद काफी काम आएगी। केंद्रीय विद्यालयों, जवाहर नवोदय विद्यालयों को जोड़ना जरूरी होगा। साथ ही, रिमोट एरिया में मोबाइल टेस्टिंग सेंटर्स का प्रयोग करना जरूरी हो जाएगा।

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5462

		1			3	2		
9						1	7	
8	4			1		6		9
				2	5			
2	6						8	3
			7	6				
1		3		7			2	4
	9	7						6
		8	4			9		

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5461

5	4	3	9	1	7	2	6	8
9	8	6	5	3	2	1	7	4
7	1	2	8	6	4	9	5	3
3	2	5	6	4	1	7	8	9
1	6	8	7	5	9	3	4	2
4	9	7	2	8	3	6	1	5
2	7	4	1	9	5	8	3	6
6	3	9	4	7	8	5	2	1
8	5	1	3	2	6	4	9	7

वर्ग पहेली 5462

संकेत: बाएं से दाएं
1. 29 सितंबर 1650 को इस देश में पहले मैरिज ब्यूरो की शुरूआत हुई (3)
3. एक निषाद जिसने गुरु द्रोणाचार्य की मूर्ति को गुरु मानकर शस्त्राभ्यास किया और पारंगत हुआ (4)
6. चलचित्र दिखाने का पर्दा (5)
7. मार्ग, रास्ता, [illegible] (2)
10. [illegible] (2)
11. प्रतिष्ठा, इज्जत, आबरू (2)
13. आहुति के रूप में दिया हुआ (2)
14. किसी का हक या अधिकार मारा जाना, स्वत्व हानि (उर्दू)(5)
15. जल की बूंद, पसीने की बूंद, राजस्थान का एक शहर (3)
16. गुलाम, नौकर, सेवक (2)
17. समाधि, कब्र (उर्दू)(3)
19. देखने वाला, दर्शक, एक कर्मचारी (उर्दू) (3)
21. पुराणानुसार सात पातालों में से एक पाताल का नाम (4)
22. वस्तु, पदार्थ, द्रव्य, चीज (उर्दू) (1)

ऊपर से नीचे
1. यह सुप्रसिद्ध स्वर साम्राज्ञी लता मंगेशकर की जन्म स्थली है (3)
2. भयभीत होना, खौफजदा होना (3)
3. भरोसा करना, विश्वास करना (7)
4. छल, धोखा, बनावटी व्यवहार (3)
5. बालों का वह गुच्छा जो गाल पर लटके [illegible] (2)
8. [illegible], संकल्प (3)
10. [illegible] (3)
11. जिसके पास अपार संपत्ति हो, रईस (4)
12. उत्तम, सर्वश्रेष्ठ, बढ़िया (उर्दू)(3)
13. शासन, अवधि, राज्यकाल (4)
15. आदत, स्वभाव, अखलाक, [illegible] (उर्दू) (3)
18. मकड़ी द्वारा बुना हुआ जाला (2)
20. चर्चा, प्रसंग, संक्षिप्त कथन (2)

वर्ग पहेली 5461 का हल

म	ग	ल	सिं	ह	■	र	घ
हे	ज	■	ह	म	स	फ	र
श	■	र	■	ही	क	■	ज
म	■	ह	[illegible]	ह	त	■	■
द	र	म	■	र	■	वा	सी
■	म	न	का	■	मा	ला	ना
खा	मो	■	शि	या	रा	त	■
क	का	ह	ल	■	ना	■	धी

आज का राशिफल

मेष : [illegible]

वृषभ : [illegible]

मिथुन : [illegible]

कर्क : [illegible]

सिंह : [illegible]

कन्या : [illegible]

तुला : [illegible]

वृश्चिक : [illegible]

धनु : [illegible]

मकर : [illegible]

कुंभ : [illegible]

मीन : [illegible]

पुण्य कर्मों के फल व्यक्ति की दशा और दिशा तय करते हैं-पंकज कृष्ण महाराज

नीमच, 29 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। गीता में कहा गया है कि व्यक्ति अपने पुण्य परमार्थ का कर्म करता रहे और फल की इच्छा नहीं करें फल ईश्वर पर छोड़ दें।क्योंकि यदि हमने अच्छा कर्म किया है तो उसका फल हमें अवश्य अच्छा ही मिलेगा। परमात्मा अच्छे कर्मों का फल शीघ्र देता है वह अपने पास नहीं रखता है। विश्वास नहीं हो तो हम अच्छे कर्म करके परिणाम देखें तो हमें स्वत: ही समझ आएगा कि अच्छे कर्मों का फल सदैव अच्छा ही मिलता है।पुण्य कर्म व्यक्ति की दशा और दिशा दोनों तय करते हैं।गीता ज्ञान व्यक्ति को सत्य की राह के साथ चलकर पवित्र कर्म करने की प्रेरणा देता है ।गीता ज्ञान को जीवन में आत्मसात करें तो मनुष्य के जीवन का कल्याण हो सकता है।यह बात पंकज कृष्ण महाराज ने कही। वे आप और हम प्रेमी जन मंडल इंदिरा नगर नीमच के तत्वाधान में शनिदेव मंशा पुर्ण महादेव मंदिर में आयोजित श्रीमद् भागवत कथा की धर्म सभा में बोल रहे थे । उन्होंने कहा कि भागवत श्रवण करने से जीवन का कल्याण हो जाता है भागवत ज्ञान गंगा को आनंद के साथ श्रवण करें तो आत्मा को शांति मिलती है भगवान की भक्ति में सदैव लिन रहे परमात्मा कब जीवन में खुशियों के दीप जला दे किसी

को पता नहीं होता है ।भोजन और भजन शांति पूर्वक एकाग्रता से एकांत में करना चाहिए तभी उसका फल मिलता है।श्री कृष्ण को विदुरानी द्वारा केले के छिलके खिलाने विदुर प्रसंग से हमें यह शिक्षा मिलती है कि भगवत प्राप्ति में आडंबर नहीं प्रेम होना चाहिए।दक्ष प्रजापति के प्रसंग से हमें यह शिक्षा मिलती है कि भगवत प्राप्ति में अहंकार बाधक है। कपिल ध्रुव प्रसंग से हमें यह शिक्षा मिलती है कि मन से इंद्रियों को जीत कर प्रभु की प्राप्ती की जा सकती है। भगवान के दशावतार सृष्टिका विस्तार कैसे हुआ यह वैज्ञानिक दृष्टिकोण भी बताता है।सुनीति को अपनाएं तो ध्रुव जैसा बालक अवश्य जन्म लेगा जो भगवान को प्राप्त करा देगा।मानस पूजा मन से होती है। इसलिए वह सर्वश्रेष्ठ होती है। बेटी के घर पानी भी नहीं पीना चाहिए इसका अर्थ यह है कि उसके पारिवारिक कार्यों में हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए तभी बेटी का परिवार सुखी रहता है।साधु संतों का संग करना चाहिए। इससे जीवन का कल्याण होता है।आत्मा और मन निर्मल हो तभी परमात्मा के दर्शन होते हैं। कण कण में भगवान होता है। प्रकृति पशु पक्षी धरती पेड पौधे सभी प्राणियों में भगवान का स्वरूप होता है ।जीव दया कर प्राणियों की रक्षा करनी चाहिए। शाकाहार को अपनाना चाहिए मांसाहार से बचना चाहिए। शाकाहार अधिक शक्तिशाली होता हैं।आहार और व्यवहार शुद्ध हो तो जीवन का कल्याण होता है। मन पवित्र करे घर स्वर्ग बन सकता है।बेटा बेटी को खूब पढ़ाना चाहिए लेकिन पढ़ाई के साथ नैतिक शिक्षा के संस्कार के सिखाना चाहिए।तभी वे अपने जीवन को सफल बना सकें।दीन दुखियों की सेवा का संस्कार भी सिखाना चाहिए ताकि उसके जीवन में पुण्य धर्म के संस्कार भी बढते रहे। मृत्यु जीवन का सच्चा दर्पण है। ध्रुव ने 6 वर्ष की अल्पायु में तपस्या कर भगवान की गोदको प्राप्त किया और 12हजार वर्ष धरती पर राज करने का वरदान प्राप्त किया था। सुनीति को अपनाएंगे तो ध्रुव जैसा बालक अवश्य जन्म लेगा जो भगवान को प्राप्त करा देगा।भागवत कथा में महाराज श्री ने दक्ष प्रजापति सती शिव यज्ञ, दक्ष प्रजापति, संवाद मीरा, राधा कृष्ण ,कबीर तुलसी, प्रियव्रत उत्तानपाद सुनीति, तुलसीदास के प्रसंग, सुरुचि, कबीर, अजामिल ,ध्रुव आदि धार्मिक प्रसंग के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला।आरती में श्री मती मालती चांदमल नागर, सोनू शर्मा अनेक लोग उपस्थित थे। श्रीमद् भागवत कथा में सभी महिलाएं लाल परिधानों में सहभागी बनी। आरती के बाद प्रसाद वितरण किया गया

गिरिराज पर्वत झांकी देख श्रद्धालु भाव विहल हुए– भागवत कथा के मध्य जब महाराज श्री ने इंद्रदेव की पूजा को छोड़कर गिरिराज पर्वत की पूजा करने का प्रसंग बताया तो भक्ति पांडाल में गिरिराज तेरी शरण में क्या कहना ...भजन पर भक्ति कर श्रद्धालु भक्तों द्वारा श्री कृष्ण बनी 4 वर्षीय बालिका सुश्री प्रगति सुनीता दिलीप सोनगरा ने भक्ति पंडाल में प्रवेश किया तो श्रद्धालु भक्तों द्वारा पुष्प वर्षा से स्वागत किया गया। और भाव विहल हो गए।

मीराबाई के प्रसंग सुन भाव विभोर हुए भक्त

श्री भक्तमाल कथा ज्ञान महोत्सव के छठे दिन हुआ मीराबाई के अदभुत चरित्र का वर्णन

नीमच, 29 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। शहर में सीएसवी अग्रोहा भवन में चल रही भक्तमाल कथा ज्ञान यज्ञ महोत्सव के दौरान रविवार को छठे दिवस मीराबाई के अदभुत चरित्र का बहुत ही सुंदर वर्णन हुआ। इस दौरान मीरा के भक्ति प्रेम भाव व विवाह प्रसंग को सुन कई श्रद्धालु भी भाव विभोर हो गए।

श्री अग्रेसन सोश्यल ग्रुप के तत्वावधन में वृंदावन के संत श्री गौरदास महाराज के मुखारविंद से भक्तमाल कथा का रसपान कराया जा रहा है। रोजाना दोपहर 12 से 4 बजे भक्त चरित्र को संगीतमय प्रस्तुति के साथ सुनाया जा रहा है। रविवार को कथा से पहले भक्तमाल ग्रंथ का पूजन अध्यक्ष आशीष मित्तल, सचिव आशीष गर्ग, कथा संयोजिका सपना गोयल, अनिल गोयल ने किया और गुरुदेव का मोतीमाला से स्वागत किया। तत्पश्चात ग्रुप परिवार के सदस्यों ने भी महाराज जी का दुपपटा पहना आशीर्वाद लिया। कथा प्रारंभ आरती महेश गोयल, सुरेश गोयल ओर सरिता घनश्याम गोयल परिवारजन ने की। तत्पश्चात स्वागत भाषण ग्रुप पूर्व अध्यक्ष व्यंकटेश गर्ग ने दिया और संचालन डॉ कमल अग्रवाल ने किया। इसके बाद कथावाचक संत गौरदास महाराज ने भक्त मीराबाई की विस्तार से भक्ति प्रेम कथा कही। उन्होंने कहा कि मीराबाई कृष्ण भगवान की परम भक्त थीं। वे दिन रात उनके ही भजन करती थी। मीरा की भक्ति जब शिखर पर पहुंची तो उनकी मां व बाबा सा ने मेवाड चित्तौडगढ के राजकुमार भोजराज के साथ विवाह तय कर दिया। लेकिन मीराबाई तो बचपन से ही श्रीकृष्ण को अपना पति मान चुकी थी इसलिए वह हमेंशा इंकार करती रही। जिसे मेडता आए राजकुमार भोजराज नें समझाया और पूर्वज व भगवान को साक्षी मानकर वचन दिया कि वे कभी पत्नी भाव से स्पर्श नहीं करेंगे। विवाह के पश्चात मेवाड में उनका भव्य स्वागत हुआ। वहां पर भगवान की पूजा अर्चना करने लगी। जीवन में कई परेशानियां आई लेकिन भजन कीर्तन नहीं छोड़ा। भोजराज को मीरा के भजन बहुत प्रसंद थे उन्होंने उसे लिपि बद्ध कराया है। इसलिए वे हमें सुनने को मिल रहे है। बाबर की सेना से युद्ध के दौरान भोजराज घायल हुए और कुछ दिन बाद उनकी भी मृत्यु हो गई। इससे पूर्व वे अपने भाई रतनसिंह को मीरा की रक्षा करने का वचन दे गए थे। क्योंकि उन्हें पता था कि मेरे निधन के बाद उसे परिवार के कुछ सदस्य कष्ट देंगे।

महापुरूष बलिदान नहीं देते तो ये हिन्दुस्तान नहीं होता– कथावाचक ने कहा कि मीराबाई एक राजपुत परिवार से थी। उन्होंने मीरा के ताउजी के लडके भाई झेलम की वीरता का किस्सा सुनाया। जिसमें कहा कि ग्रंथ में वर्णन हैं कि झेलम अकबर से लडते हुए वीरगति को प्राप्त हुए। जिसे कल्लाजी ने अपने कंधे पर संभाला। यानी इन महापुरुषों ने अपने बलिदान नही दिए होते तो ये हिंदुस्तान नही होता है। वर्तमान में नई पीढ़ी गुमराह हो रही है। उन्हें भारत का सत्य इतिहास नही बताया गया है। पूर्वजो ने बहुत कष्ट सहे, उन पर मुगलो ने अत्याचार किए। लेकिन वोट के भूखे नेताओ ने षडयंत्र करके हिन्दूओं को धर्म व जातियों में बांट दिया। भारत की शिक्षा व्यवस्था ऐसे लोगो के हाथ में दी जो विधर्मी थे। पाठयक्रम में झूठी बाते लिखी। जिस महापुरुषों ने अपने रक्त की एक बूंद भारत माता की सेवा में दे दी उनका तो पाठयक्रम में उल्लेख नहीं लिखा।

बहु-बेटी पर बंधन पवित्रता के लिए होता है– कन्या को स्वतंत्र रहने की अनुमति नही है। उसे मां-पिता या फिर पति का संरक्षण जरूरी है। आजदी व अश्लीलता में फर्क होता है। बहु-बेटी को बंधन नही पवित्रता लिए प्राचीन समय में पर्दे में रखने की परम्परा थी। परंतु पाश्चात्य संस्कृति में उसे गलत तरीके से फैलाया जा रहा है। पहले जिन कामो को पाप कहा जाता था उसे अब लिविंग कहते हैं । महान शुर वीरो को जन्म देना हैं इसलिए नारी की पवित्रता जरूरी है।

भगवान की भक्ति बूरी नहीं होती– संतश्री ने मीरा की भक्ति भाव का महत्व समझाते हुए कहा कि भगवान की भक्ति बुरी नही होती है। संतो की संगति से ही भक्ति मिलती है। भक्ति मार्ग में गुरु होना आवश्यक है। बिना गुरु के भगवान की भक्ति नही होती है। भक्त में आशक्ति हो जाए तो भगवान में मिलन हो जाता है।

भजनों पर भाव विभोर उठे श्रद्धालु– कथा के दौरान महाराज के मुख से मीरा के भजन जैसे मेरे तो गिरधर गोपाल दूसरा न कोई, जाके सिर मोर मुकुट मेरो पति सोई, माई रे मैं तो प्रेम दीवानी मेरो दर्द न जाने कोई, गिरधर लाल प्रीत मत तोड़ो... जय चतुर्भुज नाथ दयाल जय सुंदर गोपाल आदि मीरा बाई की भाव को भजनों के माध्यम से भी बहुत ही सुंदर तरिके से प्रस्तुत किया। जिसे सुनकर कई श्रद्धालु भाव विभोर हो गए और उनकी आंखे आंसू से भर आई।

कथा के बाद प्रदान की गुरु दीक्षा– रविवार को कथा विश्राम के बाद संत गौरदास महाराज व्यास पीठ से उठकर भक्ति पांडाल में विराजे। इस दौरान उन्होंने शहर और आस पास के अंचलों से आए कई श्रद्धालुओं को गुरु दीक्षा प्रदान कर आशीर्वाद दिया। इस दौरान नीमच विप्रसंघ के प्रतिनिधि मंडल भी मिला और स्वागत सम्मान किया।

आज होगा कथा का विश्राम– 7 दिवसीय भक्तमाल कथा का सोमवार को अंतिम दिन है। जिसमें संत गौरदास महाराज द्वारा कृष्ण भक्त मीराबाई के संसारिक पति राजकुमार भोजराज की मृत्यु के बाद के चरित्र का वर्णन विस्तार से बताएंगे। जिसमें यह कोशिश की जाएगी कि मीरा के संपूर्ण चरित्र को संक्षेप में बता सके। कथा दोपहर 12 बजे से शुरू हो जाएगी। इसके साथ ही 7 दिनी भक्तमाल कथा का विश्राम हो जाएगा।

बेमौसम बारिश से कटी हुई प्याज में भारी नुकसान, सरकार मुआवजा दे

पिपलियामंडी, 29 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। किसान इस समय काफी संकट में है सरकार की तरफ से किसानों को किसी प्रकार की सहायता नही मिलने से किसानो में काफी आक्रोश व्याप्त है।रविवार को मल्हारगढ़ ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष अनिल शर्मा, विजेश मालेचा, अनिल मुलासिया ने प्याज उत्पादक किसानों से खलिहान में जाकर चर्चा की किसान नितेश चन्द्रावत ने बताया कि मैने पोने दो बीघा में प्याज बोए थे जिस पर लगभग एक लाख रुपये खर्च हुवे प्याज को उखाड़ कर कटाई के लिए खलियान में डाल रखे थे कि शुक्रवार को हुई बेमौसम बारिश ने मुंह आया निवाला ही छिनलिया प्याज में सडन आने लगी धूप में सूखा रहे है।खेत मे उखाड़ी हुई प्याज की ढेरियां भी खराब होगई है।

ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष अनिल शर्मा ने कहा कि भाजपा सरकार में किसानों को उनकी उपज के वाजिब दाम नही मिल रहे है सरकार अडानी अम्बानी के लिए सोचती है किसानों की नही।मोदी जी 2022 तक किसानों की आय दोगुनी करने की बात करते थे लेकिन खेती किसानी लाभ के बजाय घाटे का धंधा ही साबित होरही है। शर्मा ने शासन,प्रशासन से मांग की है कि प्राकृतिक आपदा से हुवे नुकसान का आंकलन कर किसानों को पर्याप्त मुआवजा भी दे। शर्मा ने कहा कि किसान पहले ही नीलगायों के आतंक से काफी हद तक परेशान है।

न्यायालय ने दिया महत्वपूर्ण निर्णय...

अभियोजन का मामला 'अवश्य ही सत्य होना चाहिए' की श्रेणी का होना चाहिए, न कि सत्य हो सकता है

मंदसौर, 29 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। अतिरिक्त विशेष न्यायाधीश महोदय (एन.डी.पी.एस.एक्ट) मंदसौर द्वारा महत्वपूर्ण निर्णय में मुख्य अभियुक्त राहुलसिंह को पुलिस थाना मल्हारगढ के अपराध क्रमांक 156/2018 में धारा 8/15 एन.डी.पी.एस.एक्ट के अपराध से दोषमुक्त किया। अभियोजन द्वारा अभियुक्त से 22 किलो अवैध डोडा चूरा जप्त करना बताकर अपनी और से न्यायालय में 38 दस्तावेज मौके की कार्यवाही के प्रस्तुत किए तथा अभियोजन द्वारा 06 साक्षियों के कथन प्रस्तुत किए परंतु अभियोजन अपना मामला शंका से परे प्रमाणित करने में असफल रहा। अभियुक्त की और से वरिष्ठ अभिभाषक श्री एम. के. कुरैशी, फिरोज खान, महावीर सिंह बोराना, अख्तर खान एडवोकेट मंदसौर द्वारा साक्षीयो का सूक्ष्मता से प्रतिपरीक्षण करते हुए तर्क प्रस्तुत किये जिस पर से माननीय न्यायालय द्वारा अपने निर्णय में पाया कि, पुलिस थाना मल्हारगढ द्वारा एन.डी.पी.एस.एक्ट के आज्ञापक आदेशों का पालन नहीं किया है तथा मौके की जप्ति संबंधी कार्यवाही सिद्ध नहीं होने से मुख्य अभियुक्त राहुलसिंह को दोषमुक्त किया। न्यायालय द्वारा अपने निर्णय में पाया कि अभियोजन को अपना मामला अवश्य ही सत्य होना चाहिए की श्रेणी का होना चाहिए सत्य हो सकता है की श्रेणी का नहीं होना चाहिए एवं अभियोजन की तात्विक विसंगतियों के आधार पर मुख्य अभियुक्त राहुलसिंह को उक्त अपराध में संदेह का लाभ देते हुए दोषमुक्त किया। अभियुक्त राहुलसिंह की और से सफल पैरवी वरिष्ठ अभिभाषक श्री एम.के. कुरैशी, फिरोज खान, महावीर सिंह बोराना, अख्तर खान एडवोकेट मंदसौर द्वारा की गई।

टीलाखेड़ा में रामकथा आज से

पिपलियामंडी, 29 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। टीलाखेड़ा बालाजी मंदिर परिसर में 30 दिसम्बर से रामकथा शुरु होगी, जो 5 जनवरी तक चलेगी। कथा में सीताबहन (श्री वनदेवी आश्रम औंकारेश्वर) प्रतिदिन दोपहर 1 से शाम 4 बजे तक कथा की प्रस्तुति देगी। कथा आरंभ पर पिपलिया स्टेशन बालाजी मंदिर से प्रात: 11 बजे कलशयात्रा टीलाखेड़ा बालाजी मंदिर तक निकाली जाएगी।

स्वेटर व स्टेशनरी वितरीत की

मंदसौर, 29 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। श्री सत्यसाई सेवा समिति द्वारा शासकीय प्राथमिक विद्यालय में बच्चों स्वेटर और कॉपी पेंसिल,पेन का वितरण के साथ ही बिस्किट और नाश्ता करवाया गया। समिति जिलाध्यक्ष डी.सी. सक्सेना ने बताया कि स्वामी की अनुकंपा से रतलाम जिले के मंदसौर समिति के सदस्यों के साथ आदिवासी ग्राम के शासकीय प्राथमिक विद्यालय रेलमगरा में जाने का अवसर प्राप्त हुआ,इस स्कूल में केवल आदिवासी बच्चे पढ़ते हैं। समिति द्वारा प्रत्येक बच्चों को स्वेटर और कॉपी पेंसिल,पेन का वितरण के साथ ही बिस्किट और नाश्ता करवाया गया। ग्रामीण भाई,बहनों को कम्बल का वितरण किया गया। इस सेवा अवसर पर जिलाध्यक्ष श्री डी. सी. सक्सेना, जिला आध्यात्मिक प्रभारी महिला आशा गोयल, जिला सेवा प्रभारी महिला नूतन शिंदे, समिति संयोजक श्रीकांत त्रिवेदी, प्रकाश चंदवानी, जयश्री चंदवानी, महेन्द्र कोटवानी, गोपाल पोरवाल, योगेंद्र जोशी उपस्थित थे।

मनुष्य की तुलना पैसे को देखकर करना अहंकार को बढ़ावा- पं.पांडेय

पूर्णाहुति के बाद कथा का हुआ समापन, भंडारा का आयोजन भी हुआ

दलौदा, 29 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। श्याम सुरभि गोशाला झिरकन में साथ दिनों से आयोजित होने वाली कथा की विश्रांति रविवार को पूर्णाहुति के बाद समापन हुआ । कथा समापन अवसर पर आसपास गांव से हजारों भक्तों ओर धर्मप्रेमी सज्ज्नों को संबोधित करते हुए पंडित श्री महेश जी पांड्य रतलाम वाले ने कहा कि मनुष्य की तुलना पैसे करना ,अहंकार को बढ़ावा देने के समान है, जहा जहा अहंकार पैदा हुआ वहा वहा पतन देखने को मिले हैं। इसलिए मनुष्य जीवन नश्वर है तो अहंकार करने का मन में भी नहीं आना चाहिए।

कृष्ण और रुकमणि विवाह हुआ– कथा समापन वाले दिन कथा में कृष्ण

भगवान ओर रुक्मणि विवाह का शानदार आयोजन हुआ । इसमें कृष्ण और रुकमणि का रूप धरकर वर वधु बिठाए गए जो कथा में आकर्षण का केंद्र दिखा । विवाह के पश्चात लोगों ने बढ़चढ़ कर हिछावनी दान दिया गया । रविवार को श्याम सुरभि गोशाला झिरकन में आयोजित सप्ताहित भागवत कथा का समापन पूर्णाहुति के साथ हुआ , जिसके बाद विशाल भंडारा आयोजित हुआ । जिसमें आसपास के हजारों लोगों ने प्रसादी ग्रहण की जिसके बाद कथा में गोशाला उत्थान के लोगो ने बढ़चढ़ कर लाखों रुपए की घोषणाएं की । कथा समापन के बाद पंडित श्री पांड्य रतलाम का बहुमान समिति के द्वारा की गया ।

जरुरतमंदों को कंबल वितरीत

मंदसौर, 29 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। प्रवासी समुदाय मालवा प्रान्त घुमक्कड अर्ध घुमक्कड विमुक्त जनजाति खंड सीतामऊके द्वारा नई आबादी आक्या मे स्पर्श स्वसेवी सस्था हैदराबाद द्वारा भाईसाब रविप्रताप सिंह जी बुंदेला प्रान्त प्रमुख मालवा प्रान्त के सानिध्य मे प्राप्त ऊनि कंबल बस्ती मे निवासरत आर्थिक रूप से पिछड़े गरीब परिवारों को वरिष्ठ समाजसेवी नागुलाल जी मालवीय,जीतेन्द्र जी बामनिया (मंडल अध्यक्ष भाजपा), देवीलाल जी सुनार्थी (जिला टोली सदस्य),पृथ्वीपाल सिंह जी आक्या, सुरेश जी पाटीदार, छगनदास जी बैरागी, कमलेश जी शर्मा, मोनू जी प्ररसाई, माधुलाल जी धनगर,शिवराज सिंह जी साखतली दिलीप जी पाटीदार,, प्रहलाद जी सोनी,राधेश्याम जी बसेर,अशोक जी चौहान आक्या, बलवंत जी लोहार,मुक्तेश्वर जी जोशी ,लोकेन्द्र सिंह जी भाटी, रमेशनाथ, कंवरलाल जी चौहान,की उपस्थिति माँ भारती को दीप प्रज्ज्लित कर पुष्पमाला पहनाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया एवं समासेवियों द्वारा अपने उद्बोधन मे वंचित वर्ग के बिच मे जाकर समाज उत्थान ही ईश्वरीय कार्य है। जिसमे 27 जनो को कंबल वितरित किए गए उक्त कार्यक्रम का आयोजन राधेश्याम लोहार जिला टोली सदस्य द्वारा किया गया।

सनातन धर्म प्रचारक श्री व्यास एवं समाजसेवी श्री परिहार का किया सम्मान

मंदसौर, 29 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। श्रीकृष्णानन्द गुजराती सेन समाज कल्याण संस्थान के सदस्यों द्वारा शिक्षा जागरूकता को बड़ावा देने कि लिये ग्राम सूरी मे स्व. रामलालजी सेन के पगढी कार्यक्रम में शोक सवेदना व्यक्त की एवं ग्राम आक्या में स्व.श्रीमति रूपाबाई देवड़ा के पगढी कार्यक्रम में शोक सवेदना संदेश की तस्वीर भेट की गई। संस्था के सचिव अशोक परमार ने बताया कि संस्था द्वारा कई कार्यक्रम की रूपरेखा बनाई जा रही है। जिसमे प्रमुख रूप से स्वास्थ्य, शिक्षा, एवं राजनैतिक नेतृत्व को बड़ाने संबंधित योजना है। संस्था के अध्यक्ष बलराम राठौर द्वारा बताया गया कि समाज मे व्याप्त कुरूतिया जैसे कपड़ा प्रथा के विरूद्ध जागरूकता कार्यक्रम चलाए जायगे। आक्या ग्राम में स्व.श्रीमति रूपाबाई देवड़ा के पगढी कार्यक्रम के अवसरप पर संस्था द्वारा समाज के वरिष्ठ समाजसेवी भंवरलाल परिहार बड़वन एवं अफजलपुर से सनातन धर्म के प्रचारक पवन व्यास (सेन) को उत्कृष्ट समाज सेवा सम्मान से सम्मानीत किया गया। समाजसेवी भंवरलाल परिहार ने बताया की समाज मे पगढी कार्यक्रम में चढ़ाए जान वाले कपड़े ससुराल एवं मामा परिवार के ही मान्य किये जाये और उनकी क्वालिटी लाए जायें। इस इवसर पर पुर्व जिला अध्यक्ष दिलीप सेन निडर, संस्था के सदस्य बाबुलाल परिहार करनाखेडी, कैलाश भाटी सूठी, दशरथ देवड़ा रामगढ़, सुरेश सेन लोध, दिनेश सौलंकी सुवासरा, भागीरथ सेन डाबला भगवान, युवा जिला अध्यक्ष संजय चौहान बौलिया, देवीलाल सेन तितरोद, मुकेश सेन कोटडामाता, पुर्व सरपंच ओमप्रकाश सेन महुआ, मदनलाल सेन दशोरीया आदि मौजुद थे।

नरसिंहपुरा में श्री हनुमंत कथा का शुभारंभ, पोथी यात्रा निकली

मंदसौर, 29 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। कल रविवार को नरसिंहपुरा स्थित कुमावत धर्मशाला में सप्त दिवसीय संगीतमय श्री हनुमंत कथा का शुभारंभ हुआ। 29 दिसम्बर से 4 जनवरी तक प्रतिदिन दोप. 1 से सायं 4 बजे तक प.पू. पं. श्री दिलीपजी व्यास अपने मुखारविंद से श्री हनुमंत कथा कर रहे है। कल इसी सप्त दिवसीय संगीतमय कथा का शुभारंभ हुआ। श्री हनुमंत भक्त मण्डल भागवत ज्ञान सागर सेवा समिति, विश्व हिन्दू परिषद सामाजिक समरसता मंच, जिला धार्मिक उत्सव समिति, श्री कृष्ण कामधेनु सामाजिक संस्था के द्वारा यह कथा आयोजित हो रही है।

कल रविवार को इसी कथा का शुभारंभ हुआ। कथा के शुभारंभ अवसर पर नरसिंहपुरा स्थित श्रीराम जानकी मंदिर से भव्य शोभायात्रा एवं पौथी यात्रा निकाली गई। नपाध्यक्ष श्रीमती रमादेवी बंशीलाल गुर्जर ने इस पौथी यात्रा में शामिल होकर अपने माथे पर पौथी धारण की 1 ढोल एवं बेण्डबाजे के साथ यह पौथी यात्रा कुमावत समाज के वरिष्ठजनों की गरिमामय उपस्थिति में प्रारंभ हुई। उसके बाद यह पौथी यात्रा शीतला माता मंदिर वाली गली, चारभुजानाथ मंदिर वाली रोड़, श्री

बिलाक माता मंदिर हनुमान मंदिर वाली गली होते हुए कुमावत समाज धर्मशाला पहुंची। मार्ग में कई स्थानों पर कुमावत समाज की माता बहनों व गणमान्य नागरिकों ने पोथी यात्रा पर पुष्प वर्षा की तथा कथा करने पधारे पं. दिलीपजी व्यास का पुष्पहार पहनाकर स्वागत किया तथा उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। पोथी यात्रा के पूर्व श्रीराम जानकी मंदिर पर भगवान राम व माता जानकी की प्रतिमा का धर्मालुजनों एवं कथा यजमान परिवार के धर्मेंद्र रामावत के द्वारा पूजन किया गया। इस अवसर पर भगवान राम व माता सीता की प्रतिमा की आरती भी गई। इस अवसर पर धर्मालुजनों ने भी आरती का लाभ लिया।

ये धर्मालुजन हुए पोथी यात्रा में शामिल– कथा शुभारंभ अवसर पर निकली पोथी एवं शोभायात्रा में नपाध्यक्ष श्रीमती रमादेवी बंशीलाल गुर्जर, कैलाश पालीवाल, प्रकाश पालीवाल, वरदीचंद कुमावत, कांजी पटेल, अंकुश पालीवाल, नितेश पालीवाल, विनय दुबेला, विरेन्द्र भट्ट, गोविन्द नागदा, अनिल गुप्ता प्रेस फोटोग्राफर, विजय गेहलोद, राजेश चौहान, राजूभाई नागदा, ब्रजेश मारोठिया, राकेश भाटी, वरिष्ठपत्रकार डॉ. घनश्याम बटवाल, संजय भाटी पत्रकार, सुभाष गुप्ता, विनोद मेहता, रविन्द्रसिंह जादौन, डॉ. रविन्द्र पाण्ड्येय, राजेन्द्र चाष्टा, आशीष पालीवाल, डॉ. हेमन्त नामदेव, कनिष्क शर्मा, उदित जैन, अंकित कोठारी, जितेन्द्र पाटीदार, भरत ओझा, पं. अरूण शर्मा, अरूण अग्रवाल, मनोज साक्षी, निशा कुमावत, माणकलाल अडानिया, ललित माचीवार, विनोद जाट, मुकेश चनाल पटेल, प्रदीप सोनी, सुरेश भावसार, अनिल टांक, निरंजन भारद्वाज, गेंदमल कुमावत, वरदीचंद मारीवार, अशोक पालीवाल, भेरूलाल अन्यावड़ा, प्रकाश कल्याणी आदि गणमान्य धर्मालुजन शामिल हुए।

गुजराती सेन समाज के चुनाव 15 को

मंदसौर, 29 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। 28 दिसम्बर को गुजराती सेन समाज नगर मंदसौर की एक मीटिंग नगर पालिका सभागार मे सम्पन्न हुई जिसमें चुनाव सम्पन्न कराकर युवा अध्यक्ष, वरिष्ठ अध्यक्ष का सर्वसम्मति से समाज द्वारा बनाए जायेगे। समाज के वरिष्ठ श्री रामचंद्र परिहार की अध्यक्षता में मीटिंग संपन्न हुई। सभी की सहमति, सुझाव लेकर दिनांक 15 जनवरी बुधवार को सम्पन्न होंगे नगर के चुनाव, उम्मीदवार को 5100 की राशि समाज के चुनाव अधिकारियों को राशि जमा कराना पड़ेगी जो चुनाव नहीं जीतने पर भी वापस नहीं लौटाई जाएगी। इससे चुनाव का प्रबंधन किया जाएगा। चुनाव सम्पन्न करवाने हेतु 7 सदस्यीय समिति का गठन किया गया मीटिंग का संचालन राजेश सोलंकी ने किया। वर्तमान वरिष्ठ अध्यक्ष प्रहलाद परिहार, युवा अध्यक्ष दयाराम चौहान ने आभार व्यक्त किया।

सेन समाज के जिला अध्यक्ष जितेंद्र गेहलोद समाज के वरिष्ट लीलाधर गेहलोद, शंभुलाल सोलंकी, किशोर परमार लाइनमैन, ब्रजेश टांकवाल, ओम प्रकाश चौहान अर्जुन राठौर शंभू राठौर बद्रीलाल गेहलोद ओम प्रकाश खींची राजेंद्र तोमर शेखर राज चौहान अन्तिम देवड़ा राजेश परिहार रमेश राठौर कन्हैयालाल परमार अमरचंद राठौर दिनेश नाई अशोक परमार विजय परिहार राजू भाई गेहलोद उदपुरा, भवानी शंकर परिहार, मयंक परमार, मुकेश सोलंकी मनभावन राजेश चौहान प्रकाश चौहान टाइगर आशीष राठौर अमित सोलंकी राकेश सेन सम्राट एवं सभी समाजजन उपस्थित रहे।

कश ट्रॉफी अखिल भारतीय फुटबाल टूर्नामेंट...

पंजाब पुलिस ने 1–0 से जीता फाइनल मुकाबला

मंदसौर, 29 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। स्वर्गीय जितेंद्र सिंह मसराम और स्वर्गीय गौरव गिरवाल स्मृति में मंदसौर नगर में चल रही कश ट्रॉफी अखिल भारतीय फुटबॉल टूर्नामेंट के आखिरी दिन फाइनल मुकाबला खेला गया। जो कि पिछली बार की विजेता पंजाब पुलिस और राजस्थान पुलिस बीच था।

फाइनल मैच की शुरुआत दिवंगतों के चित्र पर माल्यार्पण और पुष्पांजलि करके की गई। इसके पश्चात मंच पर पधारे अतिथियों ने फाइनल की दोनों टीमों के खिलाड़ियों और आज के मैच के ऑफिशियल्स से परिचय प्राप्त किया। आज के महत्वपूर्ण फाइनल मैच को बिना किसी भेदभाव और पक्षपात के समाप्त करवाने की जिम्मेदारी सेंटर रेफ़री–शिवम नंदराज, सहायक रेफ़री–शिवानंद नंदा, सहायक रेफ़री–मुकेश टेलसी, फोर्थ रेफ़री–शेख़ कुनैन क़ुरैशी को दी गई। आज के फाइनल मैच के मैच कमिश्नर श्री अमित शुक्ला (महू) रहे। आज के फाइनल मैच में पहुंचने वाली पहली टीम पंजाब पुलिस इंदौर, नातीपोरा(कश्मीर) और तमिलनाडु पुलिस को हराते हुए फाइनल में पहुंची थी, वहीं फाइनल की दूसरी टीम राजस्थान पुलिस रतलाम और सीआरपीएफ जालंधर को हरा कर फाइनल में पहुंची थी। रेफरी की सीटी के साथ फाइनल मैच का आगाज किया गया। मैच शुरू होते ही पंजाब ने विजेता जैसा खेल दिखाना शुरू किया, लेकिन राजस्थान पुलिस के युवा खिलाड़ियों ने आपसी तालमेल बनाते हुए पंजाब पर भी दबाव बनाना शुरू किया। कभी बाल पंजाब के गोल की तरफ जाती तो अगले ही पल राजस्थान के गोल की तरफ जा रही थी। जैसे ही बॉल दोनों टीमों में से किसी एक के गोल के पास पहुंचती दर्शकों के शोर और उल्लास की कोई सीमा नहीं रहती थी। गोल देखने के लिए खिलाड़ियों से ज्यादा उत्साह दर्शकों में दिखाई दिया। दोनों ही टीमों के खिलाड़ी एक दूसरे पर दबाव बनाते हुए दिखाई दिए। एक और जहां पंजाब पुलिस के खिलाड़ी आक्रामक खेल दिखा रहे थे, वहीं राजस्थान पुलिस के खिलाड़ी अपने शांत और सधे हुए खेल से सबका मन मोह ले रहे थे। पहले हाफ से कुछ समय पूर्व राजस्थान के खिलाड़ी द्वारा पंजाब पुलिस के खिलाड़ी को अपने गोल के नजदीक किए एक फाउल के कारण पेनल्टी किक मिली, जिसको पंजाब पुलिस के खिलाड़ी ने गोल में तब्दील कर 1–0 से पंजाब को बढत दिला दी। पहला हाफ समाप्त होने तक पंजाब 1–0 से बढत बना कर आगे चल रही थी। दूसरा हॉफ शुरू होते ही राजस्थान की टीम नई रणनीति के साथ मैदान में उतरी। राजस्थान की इस नई रणनीति को पंजाब पुलिस बिल्कुल भी नहीं समझ पाई। राजस्थान ने एक के बाद एक मौके बनाए लेकिन शायद किस्मत उनके साथ नहीं थी। मैच के बीच में मिले कॉर्नर को राजस्थान पुलिस के खिलाड़ी ने गोल के अंदर मारने का प्रयास किया लेकिन बॉल गोल पोस्ट से टकरा कर वापस मैदान में आ गई। दूसरे हाफ में राजस्थान पुलिस पूरी तरह से पंजाब पुलिस के ऊपर हावी रही। जहां पहल हाफ पंजाब पुलिस के पक्ष में रहा वहीं दूसरा हाफ पूरी तरह से राजस्थान पुलिस के पक्ष में रहा। आखिरी समय तक पंजाब ने राजस्थान को बराबरी करने का मौका नहीं दिया और फाइनल मैच को 1–0 से जीत कर कश ट्रॉफी अखिल भारतीय फुटबाल टूर्नामेंट के विजेता का खिताब जीत लिया।

आज के मैच में एक विशिष्टव्यक्ति श्री मोहम्मद हुसैन भी उपस्थित थे, जो अपने साथ निंबाहेड़ा (राजस्थान) से महिला फुटबॉल खिलाड़ियों को इस अखिल भारतीय फुटबाल टूर्नामेंट को दिखाने के लिए लाए थे। श्री हुसैन निंबाहेड़ा फुटबॉल संघ के पूर्व सचिव रह चुके है और वर्तमान में फुटबॉल प्रशिक्षक की भूमिका निभा रहे है। मैच के दौरान हुए हाफ टाइम में सभी अतिथियों और आयोजन समिति ने श्री हुसैन और उनके साथ आई महिला फुटबॉल खिलाड़ियों से मुलाकात की और उनको भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी। मैच के बाद समापन समारोह का आयोजन किया गया जिसमें खिलाड़ियों और समिति के सदस्यों का सम्मान किया गया। इस फाइनल मैच के मैन ऑफ द मैच रहे पंजाब पुलिस से हर्षदीप सिंह, टूर्नामेंट के बेस्ट स्कोरर रहे पंजाब पुलिस से बलजीत सिंह और पूरे टूर्नामेंट के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी की ट्रॉफी राजस्थान पुलिस के कप्तान इमरान खान को दी गई। आज के मैच के मुख्य अतिथि मंदसौर नगर के सांसद श्री सुधीर गुप्ता, पूर्व विधायक श्री यशपाल सिसौदिया, जिला खेल अधिकारी श्री विजेंद्र देवड़ा जी, क्लब संरक्षक श्री नवनीत गर्ग, क्लब के युवा सारथी जो भविष्य में क्लब के सारथी बनेंगे श्री अर्जुन गर्ग, गुप्ता कंस्ट्रक्शन से श्री अनुशील गुप्ता, क्लब अध्यक्ष श्री भानुप्रताप सिंह सिसोदिया, क्लब उपाध्यक्ष श्री अरविंद सारस्वत, क्लब सचिव श्री ईश्वर सिंह चौहान, टूर्नामेंट संयोजक श्री विपिन शर्मा, जिला फुटबॉल संघ अध्यक्ष श्री बाबू गुर्जर, सुरेंद्र प्रताप सिंह, कमल कंडारे, श्री आमीन चौधरी, गोरधन सिंह चौहान, मुजम्मिल काजी, दीपक शर्मा, अंशुल शर्मा, अंकित मंडोवरा, विजय तनान, अज्जू नागौरी, राहुल नागौरे, अक्षय उपाध्याय, चरण सिंह,राजेश चौहान, मनीष गुर्जर, चरण सिंह, आदि सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठपत्रकार श्री ब्रजेश जोशी ने किया। आभार श्री नवनीत गर्ग ने व्यक्त किया। कार्यक्रम के अंत में चंबल फुटबॉल क्लब की समिति की तरफ से इस आयोजन को सफल बनाने के लिए नगर पालिका जिनकी तरफ से पूरे मैदान में पानी के छिड़काव के लिए 15 दिन तक पानी की निरंतर व्यवस्था, चलित शौचालय, पीने का पानी तथा साफ सफाई आदि सम्मिलित थे। इसके अतिरिक्त खेल एवं युवा कल्याण विभाग, लोक निर्माण विभाग, पी कॉलेज प्रशासन, जनभागीदारी समिति, पुलिस प्रशासन, शासकीय चिकित्सालय, गुप्ता कंस्ट्रक्शन, आदि का आभार व्यक्त किया गया और यह भी कहा गया कि अगर इन सब विभागों का सहयोग ना मिला होता तो यह आयोजन सफल नहीं पाता।

खेत के रास्ते के विवाद में धमकी, केस दर्ज

पिपलियामंडी, 29 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। खेत के रास्ते के विवाद में जान से मारने की धमकी देने मामले में पुलिस ने केस दर्ज किया। मनासाखुर्द निवासी सावनसिंह पिता लक्ष्मणसिंह राजपूत ने मल्हारगढ थाने पर शिकायत दर्ज कराई कि जसवंतसिंह पिता हिम्मतसिंह राजपूत ने खेत के रास्ते में पत्थर रखकर रास्ता बंद कर दिया। मैंने पत्थर हटाने की बोला तो जसवंतसिंह ने गाली–गलौज की व जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने केस दर्ज किया।

दमामी समाज की टेनिस बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता संपन्न

मंदसौर, 29 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। दमामि समाज द्वारा समाज की खेल प्रतिभाओ को आगे बढाने हेतु 28, 29, 30 दिसम्बर तिन दिवसीय दमामि समाज टेनिस बॉल क्रिकेट आयोजित प्रतियोगिता मे आज रविवार को शुभारम्भ के साथ हुए मैचो मे टीम मंदसौर दमामि क्लब व आलोट मैच मे टीम मंदसौर दमामि क्लब ने 8 विकेट से जीत लिया।टीम कांडरवासा व विपिन 11 नागदा मैच मे टीम विपिन 11 नागदा ने 9 विकेट से जीत लिया।टीम नागदा जंक्शन व बेटमा मैच मे टीम बेटमा ने 5 विकेट से जीत लिया।

टीम मेंढकवास व श्याम 11 बड़वन मैच मे मेंढकवास ने 8 विकेट से मैच जीत लिया।दमामि समाज के अध्यक्ष प्रहलाद पंवार द्वारा बताया गया कि मंदसौर शहर के चंदरपुरा स्थित पशुपतिनाथ अतिथि ग्रह के समीप तीन दिवसीय टेनिस बॉल क्रिकेट टूनारमेंट मे इस प्रतियोगिता का शुभारम्भ शनिवार 28 दिसम्बर को मौसम के अनुसार को सायं 4 बजे शुरु हुआ। माँ सरस्वती के मंदिर निर्माण हेतु समाज मे इस प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है।इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप मे भाजपा नेता व प्रदेश कार्यसमिति सदस्य अनिल कियावत , भाजपा जिला व्यापारी प्रकोष्ठ अध्यक्ष विजय सुराणा, भाजपा नेता भानुप्रताप सिसोदिया, सामाजिक समरसता मंच के विनोद मेहता, सुरेश भावसार व आदि जनप्रतिनिधिगण सम्मिलित हुए। व अंतिम दिन सोमवार को दमामि समाज की जो भी टीम फाइनल जीतेगी। उन्हें 11000 का प्रथम, 5100,द्वितीय व तृतीय पुरुस्कार से अतिथियों द्वारा सम्मानित किया जायेगा।इस अवसर पर आज के कार्यक्रम मे स्वागत के क्रम मे जगदीश सैलाना, लखन राणा, रामेश्वर नागदा, श्रवण डांगी पालसोडा, अनिल पडियार रतलाम, नागेश्वर पंछेडा, राजेंद्र चौहान रतलाम, बलदेव ठाकुर, जयराम बिरियाखेडी,मुकेश जी भंवरिया, कुलदीप जमडा जावरा , राजेश आलोट, आदि समाजजन उपस्थित रहे।

जूनियर रेडक्रॉस समिति की कार्यशाला संपन्न

मंदसौर, 29 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। मध्य प्रदेश जूनियर रेड क्रॉस समिति के जिला संगठको, जिला काउंसलर्स/सचिव की एक दिवसीय कार्यशाला कर्म योग भवन 45 बंगले पर आयोजित हुई।

बैठक में रेड क्रॉस समिति के अध्यक्ष डॉक्टर गगन कोल्हे, सचिव रामेंद्र सिंह, कोषाध्यक्ष सहित वरिष्ठपदाधिकारी उपस्थित रहे। मंदसौर जिले की वार्षिक कार्यक्रम की रिपोर्ट जिला ऑर्गेनाइजेशन एनडी वैष्णव द्वारा डॉक्टर गगन कोल्हे,सचिव रामेंद्र सिंह ,सहित वरिष्ठअधिकारियों ने मंदसौर जिले केवाईसी कार्यक्रम की लाभ बुक को सबसे बेस्ट बताया। जितने भी जिला ऑर्गेनाइजेशन सेक्रेटरी अपनी अपनी वार्षिक रिपोर्ट लेकर आए थे उसमें सबसे बेस्ट कवरेज मंदसौर जिले की वार्षिक योजना की प्रशंसा की। प्रदेश की इस कार्यशाला में वर्ष 2023-24 की वार्षिक प्रतिवेदन, 2025 के वार्षिक कैलेंडर पर चर्चा हुई। विगत 3 वर्षों के मध्य प्रदेश जूनियर रेड क्रॉस शाखा के अंशदान की जानकारी थी दी गई जिसमें मंदसौर जिले द्वारा लगातार 3 वर्षों र्तक राज्य का अनुदान जमा कराया जा चुका है शेष रहे अंशदान को शीघ्र ही जमा करने का निर्णय लिया गया। वर्तमान में ?20 प्रति छात्र फीस ली जा रही है इसे बढ़ाने पर भी चर्चा हुई। जिले के प्रत्येक शासकीय अशासकीय विद्यालयो सहित केंद्रीय एवं सीबीएसई विद्यालयो में भी गठन का निर्णय लिया गया, वर्ष 2025 में विकास खंड स्तर,जिला स्तर ,संभाग स्तर और राज्य स्तर पर सद्भावना प्रशिक्षण एवं प्रतियोगिता शिविरों के आयोजन का निर्णय लिया गया। कार्यक्रम में एनडी वैष्णव के साथ डॉक्टर सुरेश पाठक भी मौजूद थे।

वेस्ट ज़ोन रोलबॉल प्रतियोगिता में 12 खिलाड़ी चयनित

महाराष्ट्र के सतारा में आयोजित होगी रोलबॉल वेस्ट ज़ोन नेशनल प्रतियोगिता

मंदसौर, 29 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। भारतीय रोलबॉल संघ द्वारा महाराष्ट्र के सतारा में आयोजित होने वाली चौथी रोल बॉल मिनी व सब जूनियर गर्ल्स बॉयज वेस्ट जोन चैंपियनशिप में मध्य प्रदेश टीम के लिए मंदसौर से 12 खिलाड़ियों का चयन हुआ इन सभी खिलाड़ियों ने इंदौर में आयोजित राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में उत्कर्ष प्रदर्शन कर मध्य प्रदेश टीम के लिए अपनी उपयोगिता सिद्ध की इसी के साथ मध्य प्रदेश टीम सब जूनियर बालक में मध्य प्रदेश टीम का कोच मंदसौर के सचिन काले को नियुक्त किया गया।

अधिक जानकारी देते हुए मंदसौर रोल बॉल संघ के सचिव व मध्य प्रदेश रोलबॉल एडोक कमेटी के सदस्य राकेश श्रीवास्तव में बताया कि मध्य प्रदेश मिनी बालक वर्ग में असीम फरीद, दर्श भंडारी, वेदांत होतवानी, मयंक होतवाली, बालिका वर्ग में प्रियांशी सरतलिया, यश्वी जैन, तथा सब जूनियर वर्ग में श्रेष रतनावत, युग श्रीवास्तव, दक्ष पारिख, कैरव नाहर, तथा बालिका वर्ग में निर्वी जैन अक्षिता चौहान का चयन हुआ। खिलाड़ियों के इस उपलब्धि पर जिला रोलबाल के अध्यक्ष विकास आचार्य जिला स्केटिंग संघ के अध्यक्ष कपिल भंडारी, अनिल चौधरी, अनिल जैन, जिला खेल अधिकारी विजेंद्र देवड़ा लीड कॉलेज खेल अधिकारी राजू कुमार महेंद्र शुक्ला, अविनाश उपाध्याय, कुलदीप सिंह चौहान, जलज सिसोदिया, दिव्यांशु परमार, कनिष्क पवार, लाभांशी हेजू सहित अभिभावकों को व सीनियर खिलाड़ियों ने बधाई दी व अच्छे प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दी।

किसानों को फसल बीमा के लिये किया जा रहा है जागरूक

किसान प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना से जुड़कर योजना का लाभ उठाये, किसान कल तक करवा सकते है फसल बीमा

मंदसौर, 29 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। प्रभारी उप संचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग द्वारा बताया गया कि, जिले में रबी मौसम 2024-25 अंतर्गत फसलों का बीमा का प्रारंभ हो गया है। इसके क्रियान्वयन हेतु सभी तहसीलों में एग्रीकल्चर इंश्योरेंस कम्पनी के प्रतिनिधियों एवं कृषि विस्तार अधिकारियों द्वारा ग्राम पंचायत स्तर पर फसल बीमा पाठशाला का आयोजन कर कृषकों को फसल बीमा के हितलाभ के बारे में जागरूक किया जा रहा है।

रबी में अधिसूचित फसलों के लिये कृषक द्वारा देय प्रिमियम राशि गेंहू हेतु रूपये 810, चना हेतु रुपये 582, सरसों हेतु रूपये 376.5, मसूर हेतु रूपये 450, अलसी हेतु 385.5 रूपये प्रति हेक्टेयर है। फसल बीमा करवाने की अंतिम तिथि 31 दिसंबर तक निर्धारित की गई है। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत अऋणी कृषक अपने संबंधित बैंक/ सहकारी समिति/सी.एस.सी. द्वारा अथवा कृषक स्वयं भी राष्ट्रीय फसल बीमा पोर्टल www. pmfby.gov.inपर जाकर ऑन लाईन आवेदन कर सकते है। अऋणी कृषकों को फसल बीमा करवाने के आवश्यक दस्तावेज बैंक पासबुस, फसल बुवाई प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, पावती एवं बटाईदार किसान या किराये पर ली गई भूमि के लिये मालिक द्वारा शपथ पत्र दिया जाना अनिवार्य है। जिले के किसान भाईयो से अनुरोध है कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना से जुड़कर योजना का लाभ उठाये।

कलश यात्रा के साथ आज शुरू होगी श्रीमद भागवत कथा

मनासा, 29 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। आईमाताजी की नगरी ग्राम अल्हेड़ में 30 दिसम्बर 2024 से 05 जनवरी 2025 तक संगीतमय श्रीमद भागवत कथा का आयोजन रखा गया है। प्रतिदिन प्रात: 11.30 बजे से दोप. 3.30 बजे तक कथा होगी। कथा का वाचन पं. दशरथ शर्मा भाईजी कथा प्रवक्ता मंदसौर वाले द्वारा किया जाएगा

30 दिसम्बर को प्रात: माली समाज मंदिर से कलश यात्रा निकलेगी! जो गाँव के मुख्य मार्गो से होती हुई आयोजन स्थल आईजी माता मंदिर पहुंचेगी. यहां भागवत पोथी की स्थापना कर कथा शुरू की जाएगी! 31 दिसम्बर 2024, मंगलवार को परीक्षत जन्म व शुकदेव आगमन का प्रसंग सुनाया जाएगा! 01 जनवरी 2025, बुधवार को कपिलोपदेश और ध्रुव चरित्र, 02 जनवरी 2025, गुरूवार भरत चरित्र और राम-कृष्ण जन्मोत्सव की कथा सुनाई जाएगी! 03 जनवरी 2025, शुक्रवार बाल लीला व गोवर्धन पूजा प्रसंग, 04 जनवरी 2025, शनिवार को रूकमणी - कृष्ण विवाह प्रसंग सुनाया जाएगा।

1 को गंगा आरती व 3 को 101 फिट चुनर यात्रा–कथा आयोजन के दौरान 1 जनवरी की शाम 7 बजे गंगा आरती की जाएगी। वही 3 जनवरी को 101 फिट चुनर यात्रा भी निकाली जाएगी लिए सुबह 8 बजे शिवनारायण श्रीवास्तव के निवास से चुनर यात्रा निकलेगी. इस अवसर पर रामजी महाराज पावन सानिध्य पूज्य गुरुदेव आचार्य रामानुज जी राजकोट के प्रवचन भी होंगे।

5 जनवरी को पूर्णहुति– 05 जनवरी 2025, रविवार को पूर्णआहुति के साथ कथा विश्राम होगा. सुबह 9 बजे गंगोज पूजन होगालिए पूर्णआहुति पर सुदामा चरित्र और परीक्षित मोक्ष का प्रसंग श्रवण कराया जाएगा सरपंच आनंद श्रीवास्तव ने ग्राम वासियो से अपील की यह आयोजन आपका अपना है सभी को मिलकर इसे सफल बनाना है सभी ग्रामवासी एवं श्रद्धालु संगीतमय श्रीमद भागवत कथा के पुनित महोत्सव में सपरिवार शामिल होकर धर्मलाभ लेवें।

नपाध्यक्ष ने मन की बात कार्यक्रम में सहभागिता की

मंदसौर, 29 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। रविवार को नपाध्यक्ष श्रीमती रमादेवी बंशीलाल गुर्जर ने वार्ड नं. 3 मयूर कॉलोनी में संजय जाधव के निवास स्थान पर पहुंचकर वार्ड के भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की मन की बात कार्यक्रम में सहभागिता की। नपाध्यक्ष श्रीमती गुर्जर ने कार्यकर्ताओं व गणमान्य नागरिकों के साथ प्रधानमंत्री श्री मोदी के मन की बात कार्यक्रम को सुना व देखा। इस अवसर पर राजेश गुर्जर, जगदीश मण्डवारिया, लोकेश भार्गव, भाजपा वार्ड अध्यक्ष संजय जाधव, यशवर्धन जाधव, पंकज गौरा, श्रीमती पुष्पा जाधव, नीतिन राव, विरेन्द्रसिंह चन्द्रावत ने भी मन की बात कार्यक्रम को देखा तथा उसे सुना।

स्वयंसेवक समीर मंसूरी ने किया राष्ट्रीय एकता शिविर में मप्र का प्रतिनिधित्व

मनासा, 29 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। भारत सरकार युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय राष्ट्रीय सेवा योजना क्षेत्रीय निदेशालय (मप्र-छग) भोपाल द्वारा राष्ट्रीय एकता शिविर 21 से 27 दिसंबर तक जीवाजी विश्वविद्यालय की संगठन व्यवस्था में लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षण संस्थान ग्वालियर में आयोजित किया गया। जिसमें राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई मनासा के स्वयंसेवक समीर मंसूरी पिता ख्वाजा हुसैन मंसूरी का भी चयन हुआ और मध्यप्रदेश का प्रतिनिधित्व किया। इनका चयन सामाजिक क्षेत्र में उत्कृष्टकार्य एवं सोशल मीडिया के माध्यम से किए गए नवाचारों को देखते हुए किया गया। राष्ट्रीय एकता शिविर में 15 राज्यों से स्वयंसेवक शामिल हुए थे। जहां 'मेरा युवा विकसित भारत 2047, सशक्त भारत-समृद्ध भारत' विषय पर अलग-अलग राज्यों से स्वयंसेवको ने अपने-अपने विचार रखें एवं एक दूसरे राज्य की संस्कृति, भाषा शैली को जाना और समझा । इनके प्रतिनिधित्व करने पर कार्यक्रम समन्वयक डॉ विजय वर्मा, महाविद्यालय प्राचार्य डॉ एम.एल.धाकड , महाराजा छत्रसाल बुंदेलखंड विश्वविद्यालय के कार्यक्रम समन्वयक प्रो.अरुण कुमार चौरसिया , कार्यक्रम अधिकारी प्रो. आशा पटेल सहित परिवार जनों, सभी मित्रों ने बधाई शुभकामनाएँ देते हुए उज्वल भविष्य की कामनाएं की।

कल सेवानिवृत्त हो रहे सेवाभावना के पर्याय पीपी सोनी-त्रिपाठी

मंदसौर, 29 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। जिला चिकित्सालय में वर्षों र्से अपनी सेवाएं दे रहे ड्रेसर (कम्पाउण्ड) जिन्हें लोग पी.पी. सोनी के नाम से जानते है, वास्तविक नाम प्रेमप्रकाश सोनी है। नारायणगढ़ निवासी श्री सोनी स्वास्थ्य विभाग में अपनी 37 वर्ष की सेवाएं देने के बाद 31 दिसम्बर 2024 को सेवानिवृत्त हो रहे है।

मंदसौर जिला चिकित्सालय में वर्षों र्सेवा देने वाले श्री सोनी की प्रथम नियुक्ति समीपस्थ ग्राम अमलावद में हुई। लगभग तीन वर्ष अमलावद प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में सेवाएं देने के बाद वर्ष 1990 में जिला चिकित्सालय मंदसौर में आये तथा विभिन्न स्थानों (वार्डो) मेंं र्कार्य करने के बाद लगभग स्थायी रूप से आप वर्षों र्से इमरजेंसी वार्ड 9 नवम्बर में अपनी सेवाएं दे रहे थे। अपने व्यवहार व धीरता, गंभीरता से उन्होंने मंदसौर के नागरिकों के दिलों में स्थान बना लिया जो भी एक बार चिकित्सालय में आया, एक बार सोनीजी से रूबरू होने के बाद उन्हें कभी नहीं भूलता यहां तक कि छोटी मोटी बीमारियों ड्रेसिंग इत्यादी की आवश्यकता पड़ने पर मरीज को डॉक्टर के पास जाने की जरूरत नहीं होती यदि किसी मरीज के घाव में थोड़ी सी भी गंभीरता दिखी तो उपस्थित डॉक्टर की सलाह से या अपना सजेसन डॉक्टरों को बताकर मरीज को चीरा आदि लगाकर मल्हम पट्टी कर देते है। यदि किसी मरीज को इमरजेंसी में अन्यत्र भेजना पड़ता तो डॉक्टरों की सलाह पर कई बार इंदौर एम.वाय. तक साथ जाते व मरीजों को न सिर्फ संतुष्टकरते यही कारण है कि स्वस्थ होने के बाद मरीज कभी सोनीजी को भूल नहीं पाते। स्टॉफ के साथियों व डॉक्टरों आदि के साथ उनका व्यवहार सदा संतोषप्रद रहा, कभी कभी झगड़े या कोई विवाद की स्थिति में उन्होंने हमेशा स्टॉफ व मरीजों के अभिभावकों के बीच सुलह करवाने की भूमिका निभाई।

पी.पी. सोनीजी व राजेन्द्र कुमार वाडेल की जोडी थी जो हमेशा जिला चिकित्सालय में न सिर्फ उपलब्ध रहते है बल्कि सेवा के लिये हमेशा तत्पर रहते थे। दोनों की मित्रता मिसाल रही, हालांकि श्री वाडेल जिला चिकित्सालय के स्टोर में स्थानांतरित हो गये थे लेकिन आवश्यकता पड़ने पर थे एक दूसरे के साथ खड़े होते थे। श्री वाडेल दो माह पूर्व रिटायर्ड हुए और सोनीजी आज हो रहे है। जिला चिकित्सालय में अब ये दो चेहरे नजर नहीं आएंगे जिन्हें सभी राजनैतिक दलों के नेता कार्यकर्ता, पत्रकारगण, नागरिक, अधिकारी और आम नागरिक जानते पहचानते है। अब तो जिला चिकित्सालय मेडिकल कॉलेज बन गया है। सुविधाएं अवश्य बढ़ी है। गंभीर मरीजों को रेफर करने की प्रक्रिया भी थमेगी लेकिन मरीज व स्वास्थ्य कर्मचारियों, डॉक्टर, कम्पाउण्डर, नर्सों र्के बीच वह अपनेपन का रिश्ता समाप्त सा हो गया है। अब तो नये नये चेहरे सभी क्षेत्र से बाहर के कर्मचारी सिर्फ अपनी ड्यूटी कर रहे है। मरीज ठीक हो रहा है या नहीं डॉक्टर अपनी ड्यूटी पर

कम निजी प्रैक्टिस पर अधिक ध्यान दे रहे है। अधिकांश कर्मचारी ड्यूटी पर कम और मोबाइल पर लगे रहते है। चपरासी से लेकर डॉक्टर तक। ऐसे में काजल की कोठरी में बेदाग निकलकर आने वाले श्री सोनी के लिये स्वस्थ जीवन की हम मंगल कामना करते है। श्री सोनीजी व वाडेल जी जैसे स्वास्थ्य सेवा देने वाले महानुभाव को इनसे प्रेरणा लेना चाहिये। ये शासकीय कर्मचारियां तो है ही लेकिन इनके विभाग का नाम ही स्वास्थ्य सेवाएं है, सेवा भावना से काम करके इन्हें पुण्य कमाना चाहिए।

नीलगाय के हमले से... पेज 1 से जारी

तरफ गए जहां लोगों ने बताया कि उसके ऊपर नीलगाय(रोजड़ा) ने हमला कर दिया जिसे हम उपचार के लिए गरोठ चिकित्सालय ले गये डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। उप निरीक्षक लक्ष्मीकांत जोशी बताते हैं कि प्रारंभिक सूचना पर हम पीएम के लिए गरोठ चिकित्सालय आए हैं पीएम के बाद मर्ग कायम कर आगे की जांच की जाएगी।

एमपी बोर्ड:मशीन तय करेगी... पेज 1 से जारी

नहीं बनाया जाएगा। गोपनीयता भंग करने या परीक्षा कार्य में घोर लापरवाही बरतने वाले केंद्राध्यक्ष, सहायक केंद्राध्यक्ष, शिक्षक या अन्य कर्मचारी को ड्यूटी पर नहीं लगाने का निर्देश हुआ है। वहीं मंडल परीक्षा कार्य से डिबार किए गए शिक्षकों या प्राचार्यों र्को अपात्र कर दिया गया है।

राजकुमार गुप्ता, एडव्होकेट

कार्यालय व निवास-207 तिरूपति नगर, होटल सम्राट के सामने पानी की टंकी के पास स्टेशन रोड, मंदसौर (मप्र)-458001Mobile No-98260-58658 E-Mail-rkguptamds@gmail.com

क्रमांक 82/2024 दिनांक 28.12.2024

✻✻✻ जाहिर सूचना ✻✻✻

सर्व साधारण को इस जाहिर सूचना के माध्यम से सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार द्वारा मिश्रीलाल पिता कन्हैयालाल वीरवाल, जाति खटिक, निवासी बस स्टेण्ड, नारायणगढ़, तहसील मल्हारगढ़, जिला-मन्दसौर से आवासीय भूखण्ड जो भूमि भवन क्रमांक 2670 पैकि, वार्ड क्रमांक 14 पर दर्ज होकर पता-बस स्टेण्ड, नारायणगढ़, तहसील मल्हारगढ़ जिला-मन्दसौर उनके हक और हिस्से का स्वत्व त्याग विधिवत रजिस्टर्ड, स्वत्व त्याग विलेख ई-पंजीकरण क्र. एमपी 24940202१ए1322346, दिनांक 30.03.2021 से मेरे पक्षकार गुड्डीबाई वीरवाल खटिक पति मिश्रीलाल, जाति खटिक, निवासी बस स्टेण्ड, नारायणगढ़, तहसील-मल्हारगढ़, जिला-मन्दसौर के पक्ष में उप पंजी कार्यालय मल्हारगढ़ में करवाया गया है। उक्त मकान की चतुर्सीमा व पैमाईश निम्नानुसार है-

पूर्व में-रास्ता, पश्चिम में-बस स्टेण्ड रोड, उत्तर में-गोपाल पिता कन्हैयालाल वीरवाल का मकान, दक्षिण में-राजेन्द्र पिता कन्हैयालाल वीरवाल का मकान, पैमाईश रकबा- 1287.2 वर्ग फीट या 119.20 वर्ग मीटर,

उक्त सम्पत्ति पर मेरे पक्षकार द्वारा INDIAN SHELTER FINANCE, CORPORATION LIMITED, Branch Mandsaur से ऋण प्राप्त करने हेतु आवेदन प्रस्तुत कर दिया है, यदि किसी भी व्यक्ति, संस्था, बैंक आदि का भार बोझ आदि उक्त सम्पत्ति पर हो तो इस जाहिर सूचना प्रकाशन से 07 दिवस के अन्दर मेरे कार्यालयीन समय में लिखित में मय प्रमाण के आपत्ति प्रस्तुत करे, वरना बाद गुजरने, मियाद किसी प्रकार की कोई आपत्ति मेरे पक्षकार पर बंधनकारी नहीं होगी जो सूचित हो।

भवदीय

राजकुमार गुप्ता, एडवोकेट मन्दसौर

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीड्यिा एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक– आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 495831, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in